डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

वर्ष : 09 > अंक : 30 > मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

साप्ताहिक समाचार | मीडिया दृष्टिकोण

हिलव्यू समाचार

काला धन व्यक्ति के चरित्र पर कालिख ही पोतता है। -शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर, शनिवार, 28 जनवरी 2023

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

website: www.hsnews.in

(जागो जेडीए जागो)

राजनैतिक रसूख के चलते ज़ीरो सेटबैक की अवैध बिल्डिंग्स होटल सफ़ारी व ग्रैंड सफ़ारी आज भी खड़ी हैं गोपालपुरा बायपास पर

क्या जेडीए मुख्य प्रवर्तन अधिकारी रघुवीर सैनी को होटल सफ़ारिज़ नज़र नहीं आतीं गोपालपुरा बायपास पर?

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर। होटल सफ़ारी और होटल ग्रैंड सफ़ारी की अवैध बिल्डिंग्स मुख्य मार्ग गोपालपुरा पर ज़ीरो सेटबैक पर खड़ी भ्रष्टाचार और राजनैतिक संबंधों के दबदबे की कहानी ख़ुद कह रही हैं कि वे आज भी बेशर्मी से अवैधता लिए खड़ी हैं उन पर आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई जेडीए की ओर से।

कथित व्यापारी व कांग्रेस पार्टी सदस्य पवन गोयल जिन्हें सरकार द्वारा राजस्थान खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण में सदस्य भी बनाया गया है। वे इन बिल्डिंग के मालिक है। बिल्डिंग बायलॉज की धज्जियाँ उड़ाती दोनों होटल्स प्लॉट नं. 420, होटल सफ़ारी एंड रेस्टोरेंट गोपालनगर एवं प्लॉट नं.396 ए, 396बी, होटल ग्रेंड सफ़ारी गोपालनगर, गोपालपुरा बायपास, जयपुर राजनीतिक सम्बंधों की आड़ में खड़ी गोपालपुरा बायपास पर सबसे बड़ा अवैध निर्माण का उदाहरण हैं। गोयल बिल्ड स्टेट प्राईवेट लिमिटेड डायरेक्टर प्रमोद गोयल और पवन गोयल ने इस कंपनी के माध्यम से यह निर्माण किये हैं। लेकिन जेडीए के मुख्य प्रवर्तन अधिकारी रघुवीर सैनी को यह अवैध खड़ी कामर्शियल बिल्डिंग्स नज़र नहीं आतीं जो पूरी सड़क घेरकर पार्किंग के नाम पर मुख्य मार्ग को बाधित करती है और ज़ीरो सेटबैक पर मुँहबाएँ खड़ी हैं मुख्य मार्ग गोपालपुरा बायपास पर।

गोपालपुरा बायपास के व्यापार मण्डल अध्यक्ष होने के नाते व्यापारियों के हित व लाभ कि जो ज़िम्मेदारी गोयल की बनती है उसको निभाने के चक्कर में वे आमजन की पीड़ा नहीं देख पा रहे हैं और स्वयं बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन करने का लाइसेंस लिए फ़िरते हैं और दूसरे अवैध निर्माणकर्ताओं की सिफ़ारिश और गारंटी लिए जेडीए के स्पेशल डवलपमेंट प्रोजेक्ट की पैरवी करते हैं और तो और गोपालपुरा बायपास पर आवासीय भूखंडों पर बनी ज़ीरो सेटबैक अवैध बिल्डिंग्स को कमर्शियल पट्टा दिलवाने की गुहार लेकर जेडीए जा बैठते हैं। जेडीए द्वारा स्पेशल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट की आड़ में अवैध बिल्डिंग को वैध क़रार देने की मुहिम में इनकी बड़ी भूमिका है।

मुख्य प्रवर्तन अधिकारी रघुवीर सैनी को शहर में इर्द-गिर्द खड़ी अवैध बिल्डिंग्स नज़र नहीं आ रहीं कि वो शहर से दूर-दराज़ गाँवों तहसीलों में ध्वस्तीकरण कर प्रदेश स्तर पर वाहवाही लूट रहे हैं। बिना लाभांश की अवैध बिल्डिंग ध्वस्त करने वाले सैनी पास खड़ी लाभांश देने वाली अवैध बिल्डिंग को छोड़ देते हैं। प्रदेश में सबके ट्रांसफर हुए लेकिन पिछले 04 वर्षों से लगातार जेडीए में जमे रघुवीर सैनी अपने घर के आसपास के अवैध निर्माणों को ध्वस्त नहीं कर पाए हैं। राजधानी में 30 वर्षों से अंगद का पैर जमाये रघुवीर सैनी ने भ्रष्टाचार में भी अपने पैर गहरे तक जमा लिए हैं लेकिन सरकार सो रही है और आम जनता इनके कार्यकलापों से पीड़ा में रो रही है।

पवन गोयल कथित व्यापारी एवं कांग्रेस पार्टी सदस्य

प्लॉट नं. 396, 396बी, गोपालपुरा बायपास पर खड़ी होटल ग्रेंड सफ़ारी पर क्या बिल्डिंग बायलॉज के नियम लागू नहीं होते?

प्लॉट नं. 420 गोपालपुरा बायपास ज़ीरो सेटबैक पर अवैध निर्माण

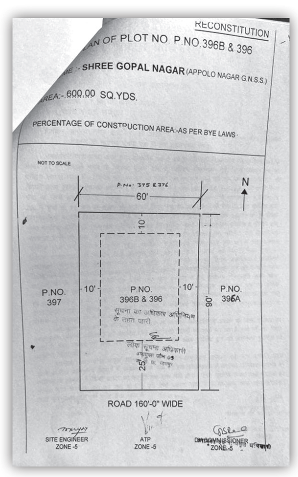

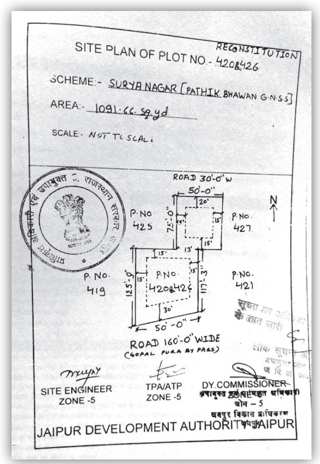

राजनीतिक रसूख की झाँकी दिखाकर अवैध निर्माण धड़ल्ले से करके भी सरकार की आँखों में धूल झौंक रहे हैं व्यापार मंडल अध्यक्ष पवन गोयल

सोशल मीडिया और सार्वजनिक तौर पर राजनीतिक सम्बंधों की नुमाइश करने वाले व्यापार मंडल 6 अध्यक्ष पवन गोयल को आशीर्वाद प्राप्त है राजधानी में मनमानी करने का और बिल्डिंग बायलॉज6 की धज्जियाँ उड़ाने का क्योंकि कांग्रेस के बड़े नेता,मंत्रियों, कैबिनेट मंत्रियों से उनके सम्बंध वे समय समय पर सार्वजनिक करते रहे हैं। इन बड़े नेताओं का इनकी होटल्स में लगातार आना जाना है अतः राजनैतिक दबदबा पवन गोयल बनाये रखते हैं।

क्या आम जनता इस मिलीभगत से वाक़िफ़ नहीं?

क्या सरकार को इस तरह सम्बंधों की आड़ में फ़ायदा उठा रहे मौक़ापरस्त लोग नज़र नहीं आते या फिर वो भी इसी में अपना फ़ायदा सोच कर चुप्पी साध लेती है प्रताप सिंह खाचरिवास,महेश जोशी,धर्मेंद्र राठौड़, ममता भूपेश,राजीव अरोड़ा जैसे कई नेताओं के साथ जुड़कर सम्बंधों का नाज़ायज़ फ़ायदा उठा रहे हैं पवन गोयल जैसे व्यापारी।

जेडीसी रवि जैन और पवन गोयल।

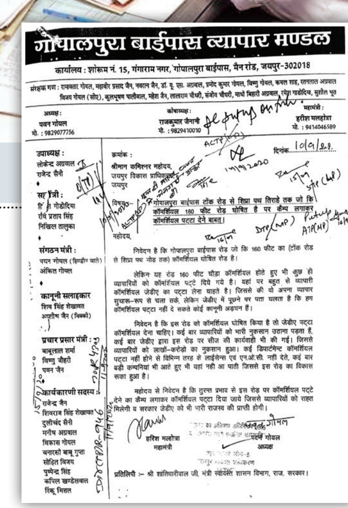

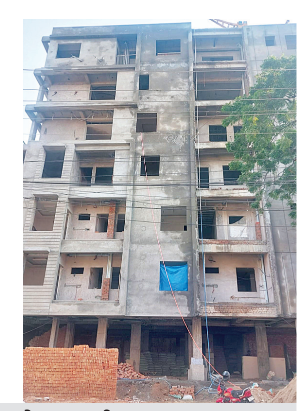

प्लॉट न. 383, दाएँ से प्लॉट नं. 401 के पास, बीस दुकान, आदर्शनगर जयपुर

ख़बर-बेख़बर

राजापार्क के मुख्यमार्गों पर बनती अवैध कमर्शियल बहुमंज़िला बिल्डिंग्स पर है किसकी मेहरबानी

मालवीय नगर जोन उपायुक्त महेश मान एवं वार्ड 149 पार्षद स्वाति परनामी जवाब दें क्षेत्र में बढ़ते इन अवैध निर्माणों का

एलबीएस कॉलेज रोड़, गली नं. 02 का कॉर्नर,होटल डोडा पैलेस के पास,मेन रोड़ राजापार्क जयपुर

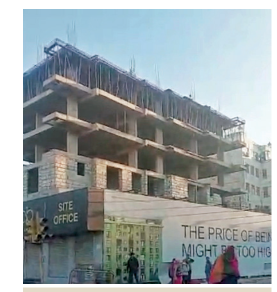

गोविंद मार्ग जैसे ट्राफ़िक व भीड़ से भरे व्यस्ततम चौराहों पर क्या बहुमंज़िला बिल्डिंग्स की स्वीकृति देना सही है?

हिलव्यू समाचार

जयपुर । राजापार्क पर बढ़ता व्यवसायिक दबाव भंग कर रहा है आमजन की शांति को। ज़ीरो सेटबैक पर खड़ी अवैध बहुमंज़िला इमारतें शासन और प्रशासन और विधायकों और जनप्रतिनिधियों को कटघरे में खड़ा कर रहीं हैं जो लगभग 90% सही भी है कि आपसी मिलीभगत से लगातार ये अवैध बहुमंज़िला बिल्डिंग्स बन रहीं हैं।

लगातार वार्ड नं.149 की अवैध निर्माणों को प्रकाशित किया जा रहा है। इन अवैध निर्माणों में जनप्रतिनिधि व क्षेत्रीय विधायक की मूक सहमति व मिलीभगत है। उन्हीं के इर्द-गिर्द कई अवैध निर्माण धड़ल्ले से हो रहे हैं और वो चुप्पी साधे हैं क्यों?

गुरुनानकपुरा में रमेश मदान का प्लॉट न.392 पीजी/हॉस्टल के लिए अवैध निर्माण कर रहा है तो कपिल बत्रा कमर्शियल दुकानें निकाल रहा है। स्वाति परनामी वार्ड पार्षद के सहयोग व सहमति बिना क्या यह सम्भव है?नहीं! अगले अंकों में होगा खुलासा इस मिलीभगत का। मालवीय नगर जोन नगर निगम ग्रेटर का इस तरह निष्क्रिय रवैय्या क्यों हैं इन अवैध निर्माणों के प्रति?

कई प्रश्न हैं जिनके जवाबों के लिए लगातार वार्ड पार्षद स्वाति परनामी व मालवीय नगर जोन उपायुक्त महेश मान से संपर्क किया गया किंतु अभी तक कोई टिप्पणी इस मामले में उन्होंने नहीं दी है।

कई प्रश्न हैं जिनका उत्तर वार्ड 149 पार्षद स्वाति परनामी और नगर निगम ग्रेटर मलावीय नगर जोन उपायुक्त महेश मान ही दे सकते हैं ---

- **आख़िर कैसे खड़ी हो रहीं हैं वार्ड में अवैध बिल्डिंग?**
- **काम शुरू होते ही आख़िर क्यों नहीं रोके जा रहे अवैध निर्माण।**
- **क्या निर्माण स्वीकृति के नियम केवल आम जन के लिए बनाई गये हैं?**
- **हर गली,रोड़ और चौराहे पर अवैध निर्माणों की झड़ी लगी है।**
- **आवासीय में कमर्शियल एक्टिविटी हो रहीं हैं?**
- **पीजी/हॉस्टल के लालच में मकान बहुमंज़िला इमारतों में बदल रहे हैं!**
- **स्थानीय जनता में है रोष और गुस्सा उसका क्या जवाब है इन जनप्रतिनिधि व अधिकारियों के पास?**

बढ़ते अवैध निर्माण अवैध निर्माणकर्ताओं का हौसला बढ़ा रहे हैं आख़िर मालवीय नगर जोन क्या कार्यवाही कर रहा है इन सब अवैध निर्माणों पर?

20 दुकान,प्लॉट 383,वार्ड नं. 91, आदर्शनगर में ज़ीरो सेटबैक पर सात मंज़िला अवैध इमारत बन रही तेज़ी से

हिलव्यू समाचार

जयपुर। अवैध निर्माण और अतिक्रमण राजधानी की पहचान बन चुका है। आप किसी भी एरिया में चले जाएँ चाहे वो नगर निगम की कॉलोनी हो या जेडीए की सभी जगह अवैध निर्माण बड़ी आसानी से आपको देखने को मिल जाएंगे।

नगर निगम हेरिटेज का कोई जोन हो या ग्रेटर नगर निगम का कोई जोन सब जगह मिलीभगत से बहुमंज़िला बिल्डिंग्स बिना स्वीकृति, ले-आउट प्लान,नक़्शे के बन रही हैं। ऐसे में बिना निगम की अनुमति के निर्माण होने के कारण फायर एनओसी, वॉटर हार्वेस्टिंग, पार्किंग आदि की अनुमति रह जाती हैं।

आम नागरिक यानी उपभोक्ता जो इन बहुमंज़िला बिल्डिंग्स में फ्लैट्स लेते हैं वो न अपने अधिकारों के प्रति सजग होते हैं न ही उन्हें अपने हितों व जीवन के साथ खेले गए इस खेल का आभास होता है वो घर लेकर ख़ुश हो जाते हैं लेकिन सुरक्षा के इंतजाम पर उनका ध्यान नहीं जाता। जब कोई आगजनी या दुर्घटना होती है तब उन्हें अहसास होता है कि अवैध तरीके से बनी इन बिल्डिंग्स फ्लैट्स लेकर वो कितने बड़े धोखे का शिकार हुए हैं।

नगर निगम और जेडीए का भ्रष्टाचार चारों ओर फैला हुआ है लेकिन न सरकार को परवाह है न ही प्रशासन में बैठे दिग्गज़ों को क्योंकि उनकी मासिक बंदी उन तक पहुँच रही है शहर को आग के हवाले कर सारा सरकारी व प्रशासनिक महकमा अपनी-अपनी भ्रष्टाचार की रोटी आम जनता के हितों के चूल्हे पर सेंक रहा है और आम जनता बेवक़ूफ़ बन तमाशा देख रही है।

सिंधी कॉलोनी राजापार्क में 307, C-9, C-24, C-27 एक लाइन में तीन-तीन अवैध निर्माण और नगर निगम नींद में

कुलदीप गुप्ता

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। आदर्शनगर राजापार्क की सिंधी कॉलोनी इस वक़्त अवैध निर्माण की नगरी बनी हुई है। एक ही लाइन में ज़ीरो सेटबैक पर अवैध निर्माण हो रहे हैं बिना स्वीकृति, बिना नक़्शे,बिना ले-आउट प्लान निगम से पास करवाये बिना लगातार अवैध निर्माण हो रहे हैं लेकिन निगम चुप है क्यों? सर्वानंद पार्क के पास सिंधी कॉलोनी सोसायटी का बनावटी बोर्ड लगा है कि सिंधी कॉलोनी में कोई अवैध निर्माण नहीं होगा अन्यथा सोसायटी उस पर कार्यवाही करेगी हास्यास्पद बात देखिये उस बोर्ड के ठीक सामने 307 प्लॉट पर वार्ड 94 के पार्षद घनश्याम दास चंदलानी अवैध निर्माण कर रहे हैं और तो और उसी बोर्ड के पीछे सर्वानंद पार्क में 100x30 का कब्ज़ा कर हॉल बना लिया इन्हीं पार्षद महोदय चंदलानी ने। नगर निगम को अपनी मुट्ठी में बताने वाले घनश्याम दास की एक भी अवैध बिल्डिंग सील नहीं हुई है अब तक।

दिशान्त नागपाल और लोकेश परनामी की C-24 बिल्डिंग में धड़ल्ले से काम हो रहा है बैसमेन्ट खुदाई शुरू हो गयी लेकिन नगर निगम की नींद नहीं खुली अब तक?

● प्लॉट नं. 307, सिंधी कॉलोनी, आदर्शनगर, राजापार्क

C-24, सिंधी कॉलोनी, न्यू राजापार्क अवैध निर्माण ज़ोरों पर।

C-27, सिंधी कॉलोनी, न्यू राजापार्क।

● C-9, सिंधी कॉलोनी, न्यू राजापार्क अवैध निर्माण तो है ही पार्टनर्स के अनबन के बाद खाली पड़ी बिल्डिंग बनी नशे का अड्डा।

सम्पादकीय

सामरिक आवश्यकताओं की पूर्ति का समय, चीन की चुनौती का बजट में भी रखा जाए ख़्याल

भारत के अशांत एवं अस्थिर सामरिक परिदृश्य में कायम तल्खी में किसी प्रकार से कमी आने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। नई दिल्ली को पारंपरिक रूप से चीन और पाकिस्तान जैसे चिरपरिचित प्रतिद्वंद्वियों की चुनौती का सामना करना पड़ा है। समय के साथ यह चुनौती और बढ़ती ही गई है। निःसंदेह पाकिस्तान अभी भारी आर्थिक मुश्किलों से जूझ रहा है तो उससे हाल-फिलहाल उतना खतरा नहीं, लेकिन यह भी सही है कि वह कभी भी अपना असली चेहरा दिखा सकता है। हालांकि, इस बीच भी वह आतंकी हरकतों से बाज नहीं आ रहा।

दूसरी ओर, चीन के साथ चुनौती बहुत तात्कालिक महत्व की दिखती है, जो हिमालयी क्षेत्र में दुस्साहस दिखाने के साथ ही सीमा पर भारी सैन्य जमावड़े में जुटा है। हिंद महासागर क्षेत्र में चीनी नौसेना की बढ़ती मौजूदगी से नई दिल्ली के लिए मुश्किलें और बढ़ रही हैं। तीसरे विमानवाहक पोत की घोषणा के साथ ही चीनी क्षमताएं बहुत तेजी से विस्तार की ओर हैं। यही कारण है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में तमाम अन्य देश भी चीनी सैन्य शक्ति की काट के लिए अपने प्रयास तेज करने में लगे हैं। इनमें जापान सबसे महत्वपूर्ण देश के रूप में उभरा है। जापान में किशिदा सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति यानी एनएसएस की घोषणा के साथ ही चीन की बढ़ती सैन्य चुनौती से मुकाबले के लिए रक्षा बजट बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। जापान ने लंबे समय से अपना रक्षा बजट अपनी जीडीपी के एक प्रतिशत के दायरे में रखा हुआ था, लेकिन चीन को 'सबसे बड़ी

रणनीतिक चुनौती' करार देने वाली एनएसएस जैसी पहल के अंतर्गत उसने एक प्रतिशत की इस सीमा को बढ़ाकर दो प्रतिशत कर दिया। जापान की अर्थव्यवस्था के आकार को देखते हुए यह भारी-भरकम राशि होगी, जिससे व्यापक सैन्य ढांचे के निर्माण की राह खुली है।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में ही दक्षिण कोरिया भी अपनी जीडीपी के पांच प्रतिशत के बराबर रक्षा व्यय करने की तैयारी है। हालांकि, अर्थव्यवस्था के आकार को देखते हुए यह वास्तविक अर्थों में जापान जितना न हो, लेकिन कोरियाई दृष्टिकोण से खासी ऊंची छलांग जरूर है। दक्षिण कोरिया अपने पड़ोसी उत्तर कोरिया से उपजे खतरे को देखते हुए अपनी सामरिक तैयारी में कोई कोर-कसर शेष नहीं रखना चाहता। चीन भी उसकी चिंता बढ़ा रहा है। दक्षिण कोरिया की जनता में चीन के प्रति असंतोष भी बढ़ने पर है। माना जा रहा है कि इस साल फिलीपींस भी रक्षा पर अपनी जीडीपी के आठ प्रतिशत के बराबर खर्च करने की तैयारी में है। रक्षा खर्च में यह निरंतर होती वृद्धि आक्रामक चीनी सैन्य शक्ति का प्रत्यक्ष परिणाम है, जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में जापान और अन्य देशों को भी सैन्य क्षमताएं बढ़ाने को बढ़ावा दे रही है। वहीं हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीनी नौसेना के उतरने से भारत के लिए भी एक नया खतरा उत्पन्न हो गया है, जो पहले से ही हिमालयी सीमा पर चीन के साथ सैन्य गतिरोध में उलझा हुआ है।

इस परिदृश्य में भारत के लिए आवश्यक होगा कि वह आगामी बजट में रक्षा आवंटन का बहुत तार्किक रूप से उपयोग करे। इसमें सरकार के साथ ही तीनों सैन्यों बलों को सुनिश्चित करना होगा कि वे रक्षा व्यय के मोर्चे पर सही तालमेल बिठाएं। भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए सेनाओं को अपनी प्राथमिकताएं भलीभांति तय करनी होंगी कि उन्हें सबसे अधिक आवश्यकता किसकी है। यदि भारत को चीन की मौजूदा या आकार ले रही अत्याधुनिक सैन्य क्षमताओं की बराबरी करनी है तो रक्षा में पूंजीगत व्यय बढ़ाना आवश्यक ही नहीं, अपितु अनिवार्य हो चला है। समय के साथ रक्षा मंत्रालय का राजस्य व्यय यानी वेतन-भत्तों और पेंशन आदि पर खर्च काफी ज्यादा बढ़ गया है, जिसने आवश्यक आधुनिकीकरण की राह रोके रखी है। आधुनिकीकरण के लिए आवंटित बजट को पूरी तरह खर्च न कर पाने में सैन्य बलों की कमजोरी भी 21वीं सदी के युद्धों के लिए भारतीय सेना की तैयारियों को लेकर आश्वस्ति प्रदान नहीं करती।

सरकार को इस ओर भी उतना ही ध्यान देना होगा कि वह संयुक्त कमान की दिशा में सेनाओं को कैसे तैयार करे। यह कदम न केवल सैन्य अभियानों की सफलता के लिए, बल्कि तमाम तरह की लागत घटाने के लिहाज से भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सेनाओं को साथ मिलकर काम करने के लिए आगे आना होगा और बजटीय आवंटन भी इस प्रकार से हो जो भारतीय सेना की तीनों शाखाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में सहायक सिद्ध हो सके। इसके अतिरिक्त रक्षा बजट के पूंजीगत परिव्यय में 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भरता' के साथ ही सैन्य बलों की परिचालन तत्परता के बीच भी संतुलन बनाना आवश्यक होगा। रक्षा उत्पादन में अपेक्षित परिणामों की प्राप्ति में मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भरता जैसे अभियानों को कुछ समय लगेगा। जबकि संघर्ष का मोर्चा तो कभी भी खुल सकता है। ऐसे में सरकार को उन सैन्य क्षमताओं के विस्तार पर अवश्य ही ध्यान देना होगा, जो चीन और पाकिस्तान से मुकाबले के लिए आवश्यक हैं। भारत के विरुद्ध जिस प्रकार की सैन्य व्यूह रचना हो रही है उसे देखते हुए रक्षा तैयारी में विलंब उचित नहीं। इसमें समय गंवाए बिना ही तैयारी तेज करनी होगी। इस समय भारत की सबसे बड़ी प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि वह चीन के बढ़ते दुस्साहस का करारा जवाब देने के लिए सेना के सभी स्तरों को सशक्त बनाने की दिशा में बजट का आवंटन करे। ऐसे में आगामी बजट सरकार के लिए कड़ी परीक्षा का पड़ाव सिद्ध होने जा रहा है कि उसमें पूंजीगत व्यय में बढ़ोतरी की समयानुकूल आवश्यकता पर ध्यान दिया जाता है या नहीं?

मां-बेटी के रिश्ते में भी आ जाती है खटास

एक लड़की के लिए उसकी सबसे पहली रोल मॉडल उसकी मां होती हैं. मां हर बेटी के सुख-दुख में साथ खड़ी रहती है लेकिन कई बार मां और बेटी के बीच कुछ ऐसी बातें भी आ जाती हैं जो उनके रिश्ते में खटास भर देती हैं. अगर आप अपनी बेटी के साथ रिश्ता मजबूत करना चाहती हैं तो आपको वो सभी बातों का पता होना चाहिए जिसके कारण आपके रिश्ते में दरार आ सकती है.

आलोचना करना

अक्सर मांएं ये भूल जाती हैं कि बेटियों को प्रोत्साहित करना और उन्हें समर्थन देना बहुत जरूरी होता है. इससे उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की मजबूती मिलती है और हर गुजरते दिन के साथ आपका और उनका रिश्ता बेहतर होगा. लेकिन अगर आप भी एक आलोचक मां हैं तो आपका रिश्ता कमजोर हो सकता है और आपकी बेटी आपसे धीरे-धीरे दूरी बनाने लगेगी.

रोक-टोक करना

अगर आप हद से ज्यादा रोक-टोक करती हैं तो इससे आपका रिश्ता कमजोर होगा और आपकी बेटी आपसे बातें भी छुपाने लगेगी. एक मां का कंट्रोलिंग नेचर पैरेंटिंग का हिस्सा होता है लेकिन अगर आप हद से ज्यादा रोकटोक करेंगी तो आपकी बेटी में चिड़चिड़ापन भी आ सकता है.

तुलना करना गलत

आपको अपनी बेटी की तुलना दूसरों की बेटी के साथ नहीं करनी चाहिए. बच्चों की तुलना अक्सर पारिवारिक माहौल को खराब करती है. इससे आपकी बेटी अपने आपको दूसरों के मुकाबले कम समझेगी और वह आपसे दूर भी होने लगेगी. उसके मन में यह भाव भी आ सकता है कि दूसरे बच्चे उससे ज्यादा बेहतर हैं. इसलिए आपको अपनी बेटी की तुलना चाची, मौसी या अपनी दोस्तों के बच्चों से कभी नहीं करनी चाहिए.

मन की बातें समझने की कोशिश करें

अपनी बेटी की मन की बात को आपको समझने की जरूर कोशिश करनी चाहिए. इससे आप उसे बेहतर तरह से समझ पाएंगी. अगर आप उसे समझने की कोशिश नहीं करेंगी तो इससे आपके रिश्ते में दरार आ जाएगी. इसके अलावा आपको अपनी बेटी की भावनाओं को भी समझना चाहिए.

शादी का दबाव

आपको अपनी बेटी पर शादी का दबाव बहुत अधिक नहीं डालना चाहिए. अपनी बेटी के फैसले का सम्मान करना चाहिए फिर चाहे वो शादी करे या न करें. आप उससे इस पर बात करके हल भी निकाल सकती हैं. इससे आपका रिश्ता स्ट्रांग बनेगा.

LIFESTYLE जोन

कुछ लम्हे बिताएं बच्चों के संग
मज़बूत बनेगी बॉन्डिंग

हर माता-पिता अपने बच्चों के साथ अपने रिश्ते को मजबूत बनाने का प्रयास करते हैं, क्योंकि तभी बच्चों में माता-पिता के प्रति सम्मान, भरोसा और सहजता विकसित होगी. रिश्तों की इसी मजबूती में बच्चों को सीखने और विकसित होने का अवसर मिलता है. बच्चों के साथ थोड़ा क्वालिटी टाइम बिताएं, इससे आपके बीच बॉन्डिंग मजबूत होगी.

वर्तमान में जिएं

भले ही आपकी दिनचर्या बहुत व्यस्त हो, लेकिन उनमें से कुछ समय निकालें और बच्चों के साथ उन पलों का आनंद लें. अपने बच्चे के साथ अपने रिश्ते को जांचें और एक सम्मानजनक माहौल को बढ़ावा देने वाले तरीकों की तलाश करें.

भावनाएं समझें

अपने बच्चे की भावनाओं को समझें ताकि वे आपसे जुड़ाव महसूस करें. जब बच्चों को यह लगेगा कि उसके माता-पिता उसे समझते हैं, तो उसका जुड़ाव भी मजबूत होता चला जाएगा. पैरेंट्स को सप्ताह में एक दिन स्पेशल फैमिली टाइम भी रखना चाहिए. इस दिन बच्चों के साथ खेलने या अन्य एक्टिविटी में समय बिताएं. उनसे अपने जीवन के अनुभव और उतार-चढ़ाव पर चर्चा करें. इससे समझ विकसित होगी.

सकारात्मक बातें

रिश्तों में सम्मान एवं मजबूती को बढ़ाने में संचार भी अहम भूमिका निभाता हूं. इसलिए जरूरी है कि माता-पिता बच्चों को उनके दोस्तों एवं परिवार के अन्य सदस्यों के सामने नहीं डांटें. अपने बच्चों की तुलना अन्य बच्चों के साथ न करें. बच्चों को ऐसा माहौल दें कि वह अपने दोस्तों को अपने माता-पिता से मिलने के लिए आमंत्रित करें. इससे बच्चे के साथियों को समझने में मदद मिलेगी.

प्यार को प्रदर्शित करें

गर्मजोशी से गले लगाना, सराहना करना बच्चों के प्रति अपना प्यार प्रदर्शित करने का तरीका है. बच्चों को उनके सकारात्मक गुणों एवं उपलब्धियों के लिए पहचाना जाना चाहिए. उन्हें सही-गलत की समझ देनी चाहिए और व्यक्तिगत रूप से उन पर ध्यान दें.

परीक्षा के दिनों में ग्रुप स्टडी का लर्निंग पर काफी सकारात्मक असर हो सकता है. यदि आप ग्रुप स्टडी करना चाहते हैं तो यह तरीका आजमाएं. अपनी क्लास के स्टूडेंट्स का एक ग्रुप बनाएं और हर एक चैप्टर पर आधारित क्रिएटिव सवाल एक-दूसरे से पूछें. सवाल बिल्कुल नए होने चाहिए, यानी ऐसे सवाल, जो किताब में पहले से लिखे हुए नहीं हों और डिटेल में हों. ग्रुप स्टडी के बहुत फायदे हैं, जैसे-

ग्रुप स्टडी से होगी अच्छी तैयारी

- ग्रुप स्टडी से आपकी नीरसता या बोरियत खत्म हो जाती है. आपको टॉपिक दिलचस्प लगने लगता है.
- दूसरा फायदा यह है कि गहराई से सवाल पूछने के लिए आपको उस टॉपिक को गहराई से समझना होगा. ऐसा करने से उस टॉपिक की समझ और गहरी हो जाएगी. जब हम किसी टॉपिक पर मंथन करते हैं तो न्यूरल नेटवर्क अधिक सघन हो जाता है.
- ग्रुप स्टडी से आपमें कंपटीशन की भावना भी आती है. जब आपको पता चलता है कि आपका साथी आपसे अधिक सामग्री याद कर रहा है तो आप और भी मेहनत करते हैं.
- ग्रुप स्टडी के जरिए विषय की अच्छी समझ विकसित होती है, जिससे एग्जाम के लिए अच्छी तैयारी हो पाती है.

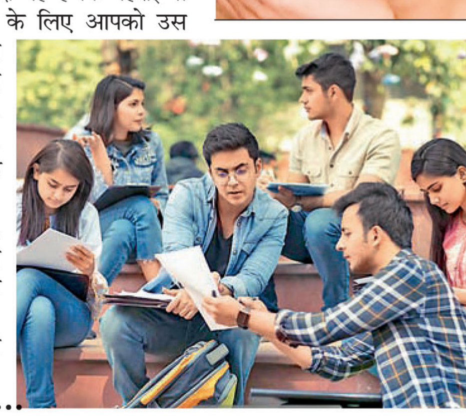

त्वचा की देखभाल का पहला चरण क्लींजिंग हैं. आपने स्किन की डबल क्लींजिंग तो की होगी, लेकिन त्वचा की सफाई में एक और स्टेप जोड़कर देखें, आपकी त्वचा चमक उठेगी. ट्रिपल क्लींजिंग का फॉर्मूला बेहद आसान है. आप इसे अपने डेली रूटीन और मेकअप उतारने के बाद बड़ी आसानी से कर सकती हैं.

BEAUTY जोन

अपनाकर तो देखें ट्रिपल क्लींजिंग

ट्रिपल क्लींजिंग रूटीन में सर्दियों में ऑइल बेस्ड क्लींजर से शुरू करें. उसके बाद क्रीम क्लींजर और फिर अंतिम चरण में जेल बेस्ड या फोम क्लींजर का उपयोग करें. आपको चेहरा कितनी बार साफ करना है और कितनी गहराई से, यह पूरी तरह से आपकी त्वचा पर निर्भर करता है. यदि आप ज्यादातर घर से बाहर काम करती हैं और पूरे दिन मेकअप में रहती हैं तो ट्रिपल क्लींजिंग आपके नाइट स्किन केयर का हिस्सा होना चाहिए.

TODAY'S रेसिपी

स्टफ्ड ओट्स चीला

सामग्री - 1 कप ओट्स पाउडर, 2 टी स्पून बेसन, 1 टी स्पून तेल, 1/2 कप हरी मिर्च कटी हुई,1 कप पानी, 1/2 टी स्पून हल्दी पाउडर, 1/2 टी स्पून हींग,1 टेबल स्पून हरा धनिया कटा हुआ, स्वादानुसार नमक, 3 टी स्पून तेल.
सब्जी की स्टफिंग के लिए- 1/2 कप हरी मटर (उबली हुए), 1/2 आलू (उबले और कटे हुए), 1/2 टेबल स्पून तेल, 1 टेबल स्पून प्याज कटा हुआ,1 टेबल स्पून टमाटर, टुकड़ों में कटा हुआ, 1 टी स्पून हल्दी पाउडर, 1/2 टी स्पून गरम मसाला, एक चुटकी हींग, स्वादानुसार नमक और मिर्च पाउडर, इमली की चटनी (परोसने के लिए)

विधि- स्टफिंग बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में तेल गरम करके उसमें हल्दी पाउडर, गरम मसाला, हींग, प्याज, टमाटर डालकर 2 मिनट भूनें. इसके बाद स्वादानुसार मटर, आलू, नमक और मिर्च पाउडर डालकर 2 मिनट तक पकाएं. एक बाउल में बेसन, हरी मिर्च, हींग, धनिया, हल्दी पाउडर, ओट्स पाउडर, तेल, पानी और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें. अब एक नॉन स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करके चीले के मिश्रण को पैन में डालकर गोल आकार दें. दूसरी तरफ पलटें और दोनों तरफ से सिंकने के लिए रख दें. चीले में स्टफिंग डालकर फोल्ड करके पैन से निकाल लीजिए. इस तैयार स्टफ्ड ओट्स चीला को इमली की चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें.

KITCHEN टिप्स

- गाजर का हलवा बनाते वक्त इसमें थोड़ा कोकोनट पाउडर या सूखे नारियल को घिसकर डाल दें.
- खस्ता कचौड़ी बनाने के लिए इसमें आप सूजी जरूर मिलाएं. इससे कचौड़ी बहुत खस्ता बनती है, साथ ही यह ज्यादा टाइम तक फ्रेश भी रहती है.
- स्वादिष्ट कढ़ी बनाने के लिए इसमें दही ज्यादा डालें और बेसन कम. इससे कढ़ी जल्दी जमेगी नहीं और इसका स्वाद भी बढ़ जाएगा.
- आप अगर घर पर फ्रेंच फ्राइज बना रहे हैं तो आलू काटकर इसे थोड़ा सा उबाल लें. इससे आलू से स्टार्च निकल जाएगा. इसे सुखाकर इसमें कॉर्न स्टार्च मिला दें.
- पनीर की ग्रेवी वाली सब्जी बनाते समय इसमें पनीर को मसलकर भी डालें. इससे ग्रेवी न सिर्फ गाढ़ी बनती है, बल्कि इसका स्वाद भी बढ़ जाता है.
- आलू टमाटर की सब्जी बनाते समय अगर आपको इस सब्जी का स्वाद और रंग लाजवाब बनाना है तो आप इसमें आधा चुकंदर पीसकर डाल दें.

पालक बादाम सूप

सामग्री: 250 ग्राम पालक, 8-10 बादाम भीगे हुए, एक चम्मच घी, एक-चौथाई चम्मच अजवाइन, एक-चौथाई चम्मच अदरक (उसे छीलकर बारीक-बारीक काट लें), स्वादानुसार नमक और काली मिर्च, ताजा क्रीम और बादाम की कतरन.
विधि : पालक को साफ करके अच्छी तरह धोकर काट लें. अब गरम पानी में पालक और बादाम डालकर 4-5 मिनट के लिए रख दें. अब इसे छानकर मिक्सी में पीस लें. इसका पानी फेकें नहीं. पैन में घी गरम करके इसमें अजवाइन और अदरक डालकर भून लें. पिसा पालक डालकर मिलाएं. बचा हुआ पालक वाला पानी मिला दें. 1-2 उबाल आने तक पकाएं और नमक व काली मिर्च पाउडर मिलाएं. गैस बंद कर दें. सर्विंग बाउल में निकालकर बादाम की कतरन और ताजा क्रीम से सजाएं. तैयार है पालक बादाम सूप.

केसर जाफरानी खीर

सामग्री- 1 किलो दूध, 50 ग्राम चावल, 100 ग्राम चीनी, 10-12 (कटे हुए) काजू, 10-12 (कटे हुए) बादाम, 2 टेबलस्पून किशमिश, 5 से 6 इलायची, 20 से 30 केसर के धागे.
विधि - सबसे पहले चावल को साफ करके 10 मिनट के लिए पानी में भिगो दें. तब तक धीमी आंच पर पैन में दूध पकने के लिए रख दें. बाउल में थोड़ा-सा दूध व केसर मिलाकर साइड में रख दें. अब उबले हुए दूध में लगभग 1 कप पानी व भीगे हुए चावल मिलाकर धीमी आंच पर तब तक पकाएं जब तक चावल नर्म ना हो जाए. जब चावल पक जाए तो इसमें केसर का पानी, चीनी मेवे व कुटी हुई इलायची डालकर 1-2 मिनट तक पकने दें. अब खीर को बाउल में डालकर उसे ड्राईफ्रूट्स, केसर, इलायची पाउडर व चांदी के वर्क से गार्निश करें. केसर जाफरानी खीर तैयार है.

एक नज़र

राजस्थान का बजट दस फरवरी को होगा पेश!

हिलव्यू समाचार

जयपुर। अशोक गहलोत के तीसरी कार्यकाल का आखिरी बजट की नई संभावित तिथि 10 फरवरी होगी। इससे पहले बजट 8 फरवरी को आने की बात कही गई थी। सूत्रों के अनुसार, सोमवार को बजट सत्र शुरू होने के बाद विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी की मौजूदगी में हुई बैठक में बजट की तारीख पर चर्चा हुई। यह भी तय हुआ कि 2 फरवरी को राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा का आखिरी दिन होगा। इस चर्चा पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की तरफ से जवाब भी 2 फरवरी को ही आएगा। इसके बाद 10 फरवरी को बजट पेश करने की संभावना है।

एक पहल इंडिया के तहत बांटे 453 एलईडी पैनल

जयपुर। राजीव गांधी वेलफेयर सोसाइटी द्वारा एक पहल इंडिया के तहत प्रदेश के सभी राजकीय कॉलेजों में निःशुल्क एलईडी पैनल लगाए जाएंगे। संस्थान के अध्यक्ष देव अमित सिंह ने बताया कि एलईडी पैनल से आईएएस, आरएएस, सीईटी की कक्षाओं का निशुल्क प्रसारण किया जाएगा। मंगलवार को विवि से प्रदेश के 453 कालेजों में एलईडी पैनल एंड आवश्यक सामग्री की गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक चौधरी ने कहा कि अब ग्रामीण प्रतिभाओं का ऑफिसर बनने का सपना पूरा होगा। इस दौरान डॉ. जीएल शर्मा सचिव राजस्थान राज्य खेल क्रीड़ा परिषद, कुलपति राजीव जैन सहित कई स्टूडेंट मौजूद रहे।

रालसा ने प्रदेश की अदालतों में आमजन को " सस्ता, सुलभ, त्वरित और निशुल्क न्याय " उपलब्ध कराने के लिए दिया प्रशिक्षण

"चीफ एंड डिप्टी लीगल एड डिफेंस काउंसिल " में नियुक्त अधिवक्ताओं का प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

दिनेश शर्मा अधिकारी

जयपुर। प्रदेश की विभिन्न अदालतों में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की लाभकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से राजस्थान पुलिस अकादमी में चल रहे चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में प्रथम दो दिन "चीफ एंड डिप्टी लीगल एड डिफेंस काउंसिल " में नियुक्त अधिवक्ताओं को आमजन के हितार्थ " सस्ता, सुलभ, त्वरित और निशुल्क न्याय " उपलब्ध कराने के लिए वचनबद्ध विभिन्न जिलों में तैनात होने वाले इन अधिवक्ताओं को प्रशिक्षण के दौरान कारागार में बंद कैदियों को निशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने की भी विधिक जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण शिविर में रालसा के सदस्य सचिव दिनेश कुमार गुप्ता ,निदेशक संजय कुमार , उप सचिव रवि कांत सोनी, स्वाती राव, विशेष सचिव पुरुषोत्तम लाल सैनी हाई कोर्ट विधिक सेवा समिति सचिव अनुतोष गुप्ता, जब जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पदाधिकारी गण एवं न्यायाधीश गणों ने भी नियुक्त अधिवक्ताओ को प्रशिक्षण दिया ।

रालसा के प्रशिक्षण शिविर के प्रथम दिन 19 जनवरी को प्रथम एवम् द्वितीय सत्र में सदस्य सचिव दिनेश गुप्ता ने प्रशिक्षण का उद्घाटन करते हुए परिचय सत्र से शुभारंभ किया। निदेशक संजय कुमार, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव जयपुर मेट्रो – प्रथम, आशका राव ने " लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम " से संबंधित लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम अन्य की तुलना में बेहतर क्रियान्वयन पर प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया।

इसी दिन तीसरे तकनीकी सत्र में मुख्य लीगल एड डिफेंस काउंसिल ग्रुप प्रथम को विशेष सचिव पुरुषोत्तम लाल सैनी ने " लीडरशिप एवं टीम निर्माण" और "प्रबंधन विनिर्माण" विषय पर, हाईकोर्ट विधिक सेवा समिति सचिव अनुतोष गुप्ता ने

"कुशल प्रशासकीय प्रबंधन और देखभाल एवम् नियंत्रण " विषय पर, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल " ग्रुप 2 "को एडवोकेट पुनीत गर्ग,माधवेंद्र सिंह ने टीम वर्क , फाइलिंग एवम् दस्तावेज प्रबंधन, और लीगल रिसर्च विषय पर रालसा के लीगल रिसर्चर सलिल कुमार त्रिपाठी ,अनुकृति चौधरी ने प्रशिक्षण दिया ।

चौथे तकनीकी सत्र में जयपुर केंद्रीय कारागार का भ्रमण कर कैदियों से रूबरू कराया। संयुक्त सचिव धीरज शर्मा ने कैदियों के परिजनों से मुलाकात कर जरूरतमंदो को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध होने वाली योजनाओं के बारे में बताया। इस दौरान जेल के अंदर ऑफिस कल्चर, आंतरिक कार्यप्रणाली से प्रशिक्षणार्थियों को रूबरू करवाया।

अगले दिन 20 जनवरी को पांचवें तकनीकी सत्र में उप सचिव रविकांत सोनी और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर मेट्रो द्वितीय, सचिव विक्रम सिंह भाटी ने एडवोकेसी स्किल और ड्राफ्टिंग, जमानत एवम् विविध प्रार्थना पत्र, अपील विषय पर ओपन हाउस डिस्कशन कर प्रशिक्षणार्थियों को कानूनी तकनीकों की बारीकियों से अवगत कराया।

छठे सत्र में राजस्थान हाईकोर्ट विधिक सेवा समिति सचिव अनुतोष गुप्ता और जयपुर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव समरेंद्र सिंह सिकरवार ने अधिवक्ता पेशे में "सेशन एवम् मजिस्ट्रेट ट्रायल, गवाह परीक्षण और बहस " विषय पर ओपन हाउस डिस्कशन कर प्रशिक्षणार्थियों के ऑब्जेक्शन को क्लियर किया।

इसी दिन सातवें और आठवें सत्र में रालसा संयुक्त सचिव धीरज शर्मा और उप सचिव रविकांत सोनी ने गिरफ्तारी से पहले दी जाने वाली विधिक सहायता और गिरफ्तारी के बाद रिमांड स्टेज पर दी जाने वाली विधिक सुविधा को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने की जानकारी दी। निदेशक संजय कुमार और सदस्य सचिव दिनेश गुप्ता ने वकालत पेशे की आधारभूत संरचना की जानकारी देकर ओपन हाउस डिस्कशन में उनके डाउट क्लीयर कर प्रशिक्षण दिया।

रालसा ने "असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स " पदों पर भर्ती अधिवक्ताओं को 8 सत्रों में दिया प्रशिक्षण शिविर संपन्न

जयपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण में नियुक्त "असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स " पदों पर भर्ती अधिवक्ताओं को 8 सत्रों में दिया प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण शिविर को विधिवत उद्घाटन दीप प्रज्वलन कर परिचय सत्र के साथ शुरूआत किया गया। इस अवसर पर रालसा सदस्य सचिव दिनेश कुमार गुप्ता, निदेशक संजय कुमार, विशेष सचिव पुरुषोत्तम लाल सैनी हाई कोर्ट विधिक सेवा समिति सचिव अनुतोष गुप्ता, उप सचिव रवि कांत सोनी, स्वाती राव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ,जयपुर के पदाधिकारी गण एवं न्यायाधीश गणों ने भी नियुक्त अधिवक्ताओ को प्रशिक्षण दिया ।

प्रशिक्षणार्थियों के परिचय सत्र में पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा विस्तार से जानकारी दी। द्वितीय सत्र में " अपराधिक न्याय व्यवस्था में विधिक सहायता की आवश्यकताओं की समझ और लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम " को अन्य सिस्टम से बेहतर बनाने के लिए निदेशक संजय कुमार और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर मेट्रो सचिव आशका राव ने प्रशिक्षण दिया। तृतीय तकनीकी सत्र में विशेष सचिव पी एल सैनी राजस्थान हाईकोर्ट विधिक सेवा समिति जयपुर सचिव अनुतोष गुप्ता, पुनीत गर्ग एडवोकेट, माधवेंद्र सिंह एडवोकेट, रिसर्चर्स सलिल कुमार त्रिपाठी, अनुकृति चौधरी ने " टीम वर्क और फाइल एवम् दस्तावेजों के रखरखाव " संबंधी प्रशिक्षण दिया। चौथे सत्र में रालसा संयुक्त सचिव धीरज शर्मा, जयपुर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मेट्रो द्वितीय सचिव विक्रम सिंह भाटी, जिला जयपुर विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव समरेंद्र सिंह सिकरवार ने प्रशिक्षणार्थियों को जयपुर केंद्रीय कारागार निरीक्षण कराके विचाराधीन कैदियों से मौखिक वार्ता कर उनके पारिवारिक सदस्यों को विधिक सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में प्रशिक्षण दिया गया। जेल निरीक्षण के दौरान कैदियों के आंतरिक मुद्दों पर ऑफिस स्टाफ से वहां के क्रियाकलापों की जानकारी भी दिलाई गई। 22 जनवरी को पांचवे तकनीकी सत्र में रालसा उप सचिव रविकांत सोनी, जयपुर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मेट्रो दितीय सचिव विक्रम सिंह भाटी ने अधिवक्ताओं के पेशे में " ड्राफ्टिंग,जमानत प्रार्थना पत्र, विविध प्रार्थना पत्र और अपील " विषयों पर ओपन हाउस डिस्कशन कर प्रशिक्षण दिया।

भारत का संविधान
उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक **संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य** बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की **स्वतंत्रता,**
प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**
प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और
राष्ट्र की एकता और अखंडता
सुनिश्चित करने वाली **बंधुता** बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को **एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।**

मूल कर्तव्य

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह -

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्र ध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(ग) भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरूद्ध है;
(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणि मात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;
(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊंचाइयों को छू ले;
(ट) यदि माता-पिता या संरक्षक है, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बालक या प्रतिपाल्य के लिए शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

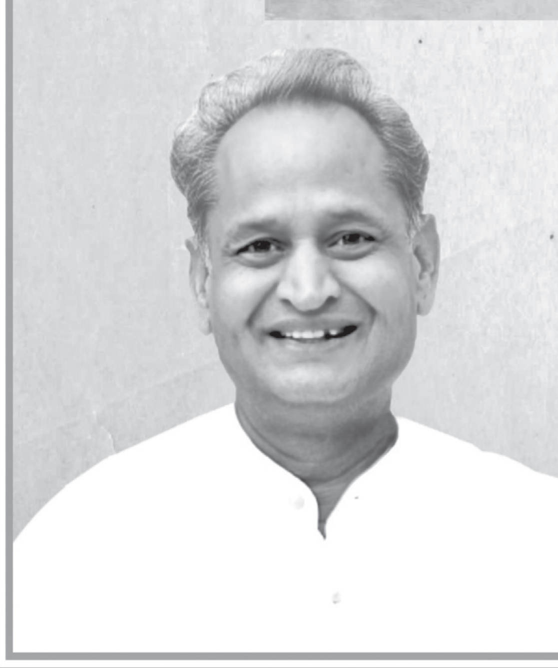

74वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर मूल कर्तव्यों को अंगीकृत कर हम सब सत्य, अहिंसा और शांति के मार्ग पर चलते हुए प्रदेश को उन्नति की ओर बढ़ाएं।

सभी प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

जय हिन्द, जय भारत

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री, राजस्थान

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

टोंक में एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचीं बॉलीवुड अभिनेत्री जयप्रदा ने जताई चिंता

फिल्मों के बायकॉट से रोजगार पर पड़ रहा विपरीत प्रभाव

हिलव्यू समाचार
टोंक। मशहूर फिल्म अभिनेत्री जयप्रदा ने वर्तमान में बॉलीवुड फिल्मों के बायकॉट को लेकर गहरी चिंता जताई हैं।

उन्होंने कहा कि जिस तरीके से बायकॉट का ट्रेंड चल रहा है, उससे फिल्म इंडस्ट्री पर आश्रित लोगों के रोजगार पर भी विपरीत प्रभाव पड़ रहा है।

दरअसल जयाप्रदा टोंक जिले के सरोली गांव में एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने आई थी। इस दौरान उन्होंने मीडिया से मुखातिब होते हुए फिल्मों के बायकॉट सहित अन्य मुद्दों पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि आज देश में बॉलीवुड फिल्मों के बायकॉट का ट्रेंड बढ़ता जा रहा है, जो काफी चिंताजनक है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि किसी भी फिल्म का बायकॉट करने से पहले उसको देखें। इसके बाद तय करें कि वह फिल्म अच्छी है या नहीं। फिल्म देखे बिना उसका बायकॉट करना सही नहीं है। एक फिल्म से छोटे-छोटे आर्टिस्ट भी जुड़े हुए होते हैं। इनसे उन कलाकारों का रोजगार भी प्रभावित होता है।

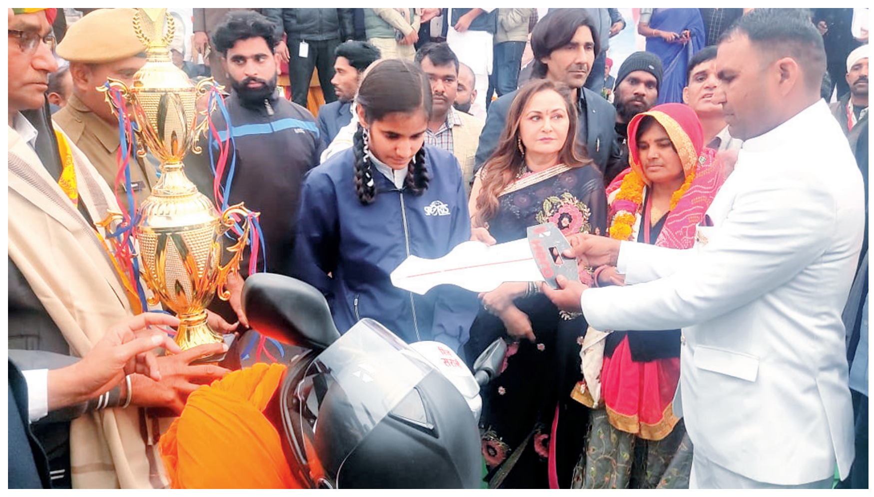

राजस्थान से है अधिक स्नेह

फिल्म अभिनेत्री जयाप्रदा ने कहा कि उन्हें सदैव ही राजस्थान से प्रेम रहा है। हालांकि उन्हें सभी जगह प्रशंसकों का प्यार मिलता रहा हैं। लेकिन विशेषकर राजस्थान में उनका स्नेह अधिक रहा है। उन्होंने कहा कि यहां के लोग व यहां की धरती उन्हें बेहद पसंद है। इसलिए उन्हें जब भी राजस्थान आने का मौका मिलता है, उनका प्रयास रहता है कि वे कोई मौके नहीं छोड़ें।

शिक्षा के विकास पर जोर दिया

जयप्रदा ने कहा की देश की उन्नति में शिक्षा का बहुत महत्व है। आज ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाए जाने की बहुत आवश्यकता है। ग्रामीण क्षेत्रों से आगे आने वाली प्रतिभाए देश में अपना नाम रोशन करती है। इसके कई उदाहरण देखने को मिले हैं। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के स्तर को उन्नत करने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को प्रोत्साहन देकर उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देना चाहिए।

छात्राओं को स्कूटी व लैपटॉप भेंट

फिल्म अभिनेत्री जयाप्रदा टोंक के दूनी सरोली मोड़ स्थित शिव पब्लिक शिक्षा समिति के विजयी जुलूस, प्रतिभा सम्मान सामारोह व छात्रावास लोकार्पण सामारोह में शामिल हुईं। इससे पहले शिव पब्लिक शिक्षा समिति निदेशक शिवजीलाल ने जयाप्रदा का साफा पहनाकर स्वागत किया। जयाप्रदा ने राजस्थान व जिलें के टॉपर्स छात्र-छात्राओं को स्कूटी व लैपटॉप देकर सम्मानित किया।

एक नज़र

चेयरमैन राठौड़ व एमडी ने दिया पैलेस ऑन व्हील्स का प्रजेंटेशन

हिलव्यू समाचार
जयपुर। स्पेन की राजधानी मैड्रिड में 18 से 22 जनवरी तक आयोजित हुए अंतरराष्ट्रीय टूरिज्म फेयर फितूर में भारतीय पवेलियन पर राजस्थान स्टाल ने जमकर धूम मचाई।

समापन समारोह में राजस्थान स्टॉल पर भारतीय राजदूत दिनेश पटनायक, निगम अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ एवं एमडी वीपी सिंह ने प्रवासी भारतीयों, विदेशी पर्यटकों, टूरिस्ट एजेंसी एवं कॉर्पोरेट घरानों को पैलेस ऑन व्हील्स का प्रजेंटेशन दिया। निगम की ओर से सभी पर्यटकों को शॉल एवं साफा पहनाकर व माल्यार्पण कर राजस्थान आने के लिए पीले चावल दिए गए। इस अवसर पर निगम अध्यक्ष राठौड़ ने बताया कि पैलेस ऑन व्हील्स में अधिकांश यात्री यूरोप से आते हैं और राजस्थानी परंपरा के अनुसार स्वागत करने पर प्रफुल्लित एवं रोमांचित हो जाते हैं।

भारतीय राजदूत दिनेश पटनायक ने बताया कि राजस्थान में भ्रमण करने वाले पर्यटकों एवं पैलेस ऑन व्हील्स में सवारी करने वाले पर्यटकों को अतिरिक्त सुविधाओं के साथ प्राथमिकता के आधार पर वीजा प्रदान किया जाएगा। समापन समारोह में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का संदेश भारतीय राजदूत दिनेश पटनायक ने पढ़कर सुनाया।

अजमेर में 31 लाख रुपए से भरा एटीएम उखाड़ ले गए बदमाश

हिलव्यू समाचार
अजमेर। प्रदेश में एटीएम लूट की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। एटीएम लूट गैंग पुलिस गश्त को धता बताकर एटीएम मशीनों को निशाना बना रही है। बदमाश आए दिन बैंकों को लाखों रुपए की चपत लगा रहे हैं।

इस बीच अजमेर और अलवर में एटीएम लूटने की तीन वारदात सामने आईं हैं। अजमेर में लुटेरों ने 31 लाख रुपए से भरा एटीएम उखाड़ लिया। वहीं अलवर में दो जगह मशीनों को गैस कटर से काटने का प्रयास किया गया। हालांकि बदमाश यहां अपने इरादों में कामयाब नहीं हो सके। जानकारी के अनुसार अजमेर के अरांई कस्बे में बदमाश 31 लाख 60 हजार रुपए से भरे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम को उखाड़कर कैंपर गाड़ी में डालकर ले गए। घटना का पता सुबह चला जब लोगों ने एटीएम मशीन को गायब देखा। जिसके बाद लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

सीसीटीवी कैमरों पर स्प्रे, लाइटें बंद

घटना देर रात अरांई थाना क्षेत्र के पावर हाउस चौराहे की है। सूचना पर थानाधिकारी गुमान सिंह के पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने बदमाशों को पकड़ने के लिए नाकेबंदी भी करवाई, लेकिन, आरोपियों का कोई सुराग नहीं लगा। चोरों ने एटीएम में अंदर घुसते ही पहले सीसीटीवी कैमरों पर स्प्रे किया और लाइट बंद की। इसके बाद बदमाशों ने कैंपर गाड़ी से एटीएम को उखाड़ा और उसी गाड़ी में डालकर मौके पर फरार हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

पुलिस देख बदमाश भागे, 9 लाख रुपए बचे

अलवर। अलवर शहर में सोमवार रात दो जगह एटीएम लूटने का प्रयास किया गया। हालांकि पुलिस की गश्त की गाड़ी को देखकर बदमाश भाग गए। पुलिस के आने से महिंद्रा कोटक बैंक के एटीएम से 9 लाख रुपए का कैश बच गया। हालांकि पुलिस ने बदमाशों का पीछा भी किया, लेकिन अलवर शहर सहित 3 जगह की नाकेबंदी तोड़ते हुए बदमाश नौगांवा इलाके में पहुंच गए।

भाजपा कार्यसमिति: हर बूथ से 2023 रुपए की राशि जुटाएगी पार्टी

अरुण सिंह बोले- प्रदेश में चल रहा 'बदलापुर फिल्म' का ट्रेलर

हिलव्यू समाचार
जयपुर। भाजपा अपने मिशन-2023 के तहत आने वाले दिनों में प्रदेश की कांग्रेस सरकार के खिलाफ बड़ा आंदोलन करेगी। इसके साथ ही पार्टी आने वाले दिनों में संगठनात्मक मजबूती और ताकत बढ़ाने के लिए बूथ स्तर तक का खाका मजबूत करेगी। पार्टी 11 फरवरी से धनसंग्रह अभियान की शुरुआत करेगी। इसके तहत हर बूथ से भाजपा कार्यकर्ता 2023 रुपए एकत्र करेगा। प्रदेश कार्यसमिति मे पहुंचे प्रभारी अरुण सिंह ने कहा कि लोकतंत्र मे शुचिता कायम रहनी चाहिए, नही तो लोकतांत्रिक व्यवस्था खराब होती है। प्रदेश कांग्रेस मे प्रतिशोध की राजनीति चल रही है। कांग्रेस के बड़े नेताओं द्वारानाकारा, निकम्मा, गद्दार, बिना हड्डी की जीभ जैसे शब्दों के इस्तेमाल से राजस्थान के मुद्दों को भुलाया जा रहा है । 4 साल मे 400 बार कांग्रेसियों के झगड़े ने हाईकमान तक को चुनौती दे डाली।

जनसमस्याओं को लेकर सरकार को घेरेंगे

प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में चुनावी शंखनाद किया गया। जनाआक्रोश यात्राओं में जनता की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए आगामी दिनों में राजस्थान सरकार की विफलताओं को गिनाने को लेकर प्रस्ताव पारित किया गया। जिसके तहत पेपर लीक, किसानों के मुद्दों, बेरोजगारी, किसानों की जमीन की कूर्की, प्रदेश में बढ़ते महिला अत्याचार और अपराध, पॉक्सो एक्ट के मामलों में बढ़ोतरी, क्राइम के बढ़ते ग्राफ और बिजली-पानी आदि मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने को लेकर प्रस्ताव पारित किया गया।

यह रहे मौजूद

ईपी में हुई बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे, राष्ट्रीय मंत्री एवं प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर, प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, कैलाश चौधरी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, अशोक परनामी, राष्ट्रीय मंत्री अलका गुर्जर, कोर कमेटी सदस्य सीपी जोशी, कनकमल कटारा, राष्ट्रीय प्रवक्ता राज्यवर्धन राठौड, रामलाल शर्मा सहित प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मौजूद रहे।

MSP पर बाजरा खरीदने को तैयार

केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि केंद्र ने 2350 रुपए बाजरा खरीद का एमएसपी मूल्य लागू किया हैं, लेकिन राजस्थान सरकार ने केंद्र को बाजरे की खरीद को लेकर पत्र नहीं लिखा हैं। जिससे किसान कम भावों में बाजरा बेचकर घाटा खा रहे है। पेपर लीक को लेकर चौधरी ने कहा कि मंत्री, अधिकारी आदि के लिप्त हुए बगैर पेपर लीक होना संभव नहीं है।

नवम्बर से पहले हो सकते हैं चुनाव

वासुदेव देवनानी ने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार ने केवल योजनाओं और घोषणाएं ही बड़ी की है, लेकिन इन्हें धरातल पर नहीं उतारा या योजनाएं लागू ही नहीं हो सकी। इसमें दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सीएम गहलोत की पार्टी में आए कोरोना की वैक्सीन नहीं मिली तो कोई बड़ी बात नहीं है कि प्रदेश में चुनाव नवम्बर से पहले ही हो जाए।

सौर ऊर्जा पंप स्थापना में राजस्थान देश में प्रथम

चार वर्षों में 57 हजार किसानों को मिला 982 करोड़ का अनुदान

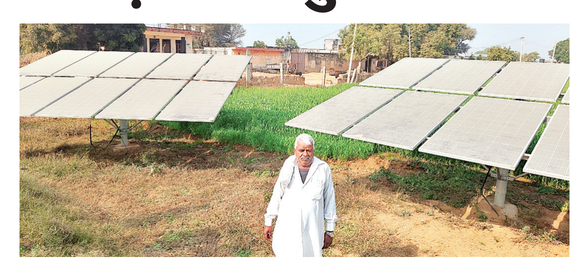

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राज्य सरकार द्वारा किसानों को सस्ती बिजली और बिजली बिलों में अनुदान के साथ ही प्रदेश में सौर ऊर्चा पंप योजना को भी बढ़ावा देकर किसानों को राहत दी है। यही वजह है कि कृषि क्षेत्र में सौर ऊर्जा पंप संयंत्र स्थापित करने में राजस्थान देश में पहले पायदान पर है।

कृषि आयुक्त कानाराम ने बताया की 4 वर्षों में 57 हजार 657 किसानों को संयंत्र स्थापित करने के लिए 982 करोड़ 95 लाख रुपए का अनुदान दिया गया है। वर्ष 2018-19 में दिसंबर 2018 से 3 हजार 462 किसानों को 70 करोड़ 30 लाख रुपए का अनुदान दिया है। वहीं 2019-20 में 10 हजार 4 किसानों को 57 करोड़ 81 लाख रुपए का, वर्ष 2020-21 में 13 हजार 880 किसानों को 133 करोड़ 39 लाख रुपए और 2022-23 में 20 हजार 311 किसानों को 401 करोड़ 4 लाख रुपए का अनुदान देकर लाभान्वित किया गया है।

सोलर पंप के लिए 60% तक अनुदान

किसानों को सिंचाई के लिए बिजली की उपलब्धता पर निर्भर नहीं रहना पड़े, इसके लिए राज्य सरकार किसानों को खेतों में सोलर पंप लगाने के लिए 60 प्रतिशत तक अनुदान देकर प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति वर्ग के किसानों को 45 हजार रुपए का अतिरिक्त अनुदान तथा जनजातीय उप-योजना क्षेत्र मे अनुसूचित जनजातियों के किसानों को 3 व 5 एच.पी क्षमता के सौर पंप संयंत्र पर शत प्रतिशत अनुदान का भी प्रावधान किया है।

लापरवाही पर कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को लगाई फटकार

जब पारा कम जोबनेर में था तो किशनगढ़ में 100% फसल का खराबा कैसे!

हिलव्यू समाचार
जयपुर। जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने पूछा कि किशनगढ़ से अधिक न्यूनतम तापमान जोबनेर में था फिर किशनगढ़ में सौ प्रतिशत फसल कैसे खराब हुई? इसकी मौके पर जाकर गिरदावरी करवाएं। राजपुरोहित ने यह सवाल राजस्व अधिकारियों द्वारा जारी रिपोर्ट पर उठाया। वे मंगलवार को भू-आवंटन, भू-रूपान्तरण, नामान्तरण एवं औद्योगिक प्रयोजनार्थ भू-संपरिवर्तन सहित सभी तरह के लम्बित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा बैठक ले रहे थे।

इस दौरान उन्होंने जयपुर जिले में बढ़ते राजस्व मामलों और राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा लापरवाही बरतने पर कई एसडीएम और तहसीलदारों की जमकर खिंचाई की।

दरअसल उन्होंने पेंडेंसी के मामलों पर सख्त रुख अपनाते हुए सभी एसडीएम और तहसीलदारों को जल्द निस्तारण करने के आदेश दिए, साथ ही उन्होंने लंबित पड़े कुर्रेजात के मामलों को भी त्वरित गति से निस्तारित करने के निर्देश दिए, ताकि आमजन को जल्द से जल्द राहत प्रदान की जा सके।

उन्होंने कहा कि राजस्व अधिकारी रास्ता संबंधी सभी प्रकार के प्रकरणों का प्राथमिकता से निस्तारण करें। बैठक में जयपुर जिले के एसडीएम, तहसीलदार के अलावा कई अधिकारी मौजूद रहे।

राजस्व बिन्दुओं पर प्रजेंटेशन

बैठक में तीन उपखण्ड अधिकारियों ने अलग-अलग राजस्व बिन्दुओं पर प्रजेंटेशन दिया। पावटा उपखण्ड अधिकारी, राजवीर यादव ने राजस्थान काश्तकारी अधिनियम की धारा-251ए (रास्ता संबंधी प्रकरण), उपखण्ड अधिकारी, बस्सी शिवचरण शर्मा ने सीमाज्ञान एवं पत्थरगढ़ी और उपखण्ड अधिकारी चाकसू अशोक कुमार ने राजस्थान भू राजस्व अधिनियम की धारा-136 (रिकॉर्ड दुरस्तीकरण) पर कलक्टर के समक्ष अपना प्रस्तुतिकरण दिया।

आमेर में सर्वाधिक पेंडेंसी, जल्द करें निस्तारण

आमेर में सबसे ज्यादा एक पक्षीय फैसले हुए हैं, जिस पर आमेर एसीएम ने बताया कि वहां मुकदमों के बाद दूसरा पक्ष आया ही नहीं, जिसके चलते यह फैसले हुए। कलेक्टर ने आमेर में 16 और 17 सीसी के सबसे अधिक पेंडेंसी पर एसडीएम अर्शदीप बरार को जल्द ही कार्यवाही करने एवं कुर्रेजात के मामलों को जल्द ही निस्तारण करने का निर्देश दिए।

सप्ताह में पांच दिन लें कोर्ट

बैठक के दौरान कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को सप्ताह में कम से कम 5 बार कोर्ट लेने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने पावटा उपखण्ड अधिकारी राजवीर यादव को जनवरी महीने में जयपुर में सर्वाधिक राजस्व प्रकरणों के निस्तारण करने के लिए सम्मानित किया। उन्होंने अधिकारियों को प्रदर्शन बेहतर करने एवं लंबित प्रकरणों को जल्द से जल्द निस्तारित करने के निर्देश भी दिए।

खराबे की भी मांगी रिपोर्ट

राजधानी के चौमूं के अलावा कई इलाकों में पाले से किसान की सब्जियां खराब हुई हैं, जिसको लेकर कलेक्टर ने गिरदावरी के आदेश दिए। गौरतलब है कि सब्जियां बीमा के दायरे में नहीं आती हैं, मगर प्रशासन द्वारा किसानों को एचडीआरएफ की तरफ से मुआवजा दिलवाने की पहल की योजना बनाई जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि सब्जियों में टमाटर की पैदावार पर सबसे अधिक फर्क पड़ा है। इसके अलावा किसानों ने जिस फसल को नहीं ढंका उसमें नुकसान हुआ है।

एक नज़र

दो दिन कार्य बहिष्कार के बाद डॉक्टर्स का अंतिम फैसला

'राइट टू हेल्थ बिल वापस ले सरकार'

हिलव्यू समाचार
जयपुर। डॉक्टरों द्वारा राइट टू हेल्थ बिल में जहां पहले विसंगतियों को दूर कर संशोधन की मांग की जा रही थी, वहीं अब चिकित्सक सरकार पर बिल वापस लेने का दबाव बना रहे हैं। चिकित्सक संगठनों का कहना है कि पहली बार बिल पेश किया गया था, तब से संशोधन की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब संशोधन नहीं बिल वापस चाहते हैं। यदि बिल जबरन थोपा गया तो सरकार चिकित्सकों के बड़े आंदोलन के लिए तैयार रहे।

चिकित्सकों के विभिन्न संगठनों द्वारा बिल में संशोधन की मांग को लेकर बीते दो दिन निजी चिकित्सालयों में ओपीडी कार्य बहिष्कार किया। सोमवार को जेएमए सभागार में हुई बैठक में जयपुर मेडिकल एसोसिएशन, मेडिकल प्रैक्टिशनर सोसायटी, प्राइवेट हॉस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम्स सोसायटी, यूनाइटेड प्राइवेट क्लीनिक्स एंड हॉस्पिटल्स ऑफ राजस्थान सहित कई संगठनों की सामूहिक बैठक आयोजित कर बिल को पास लेने की मांग रखी।

बैठक के बाद मेडिकल प्रैक्टिशनर सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. संजीव गुप्ता ने कहा कि सरकार को अपनी जिम्मेदारियों को निजी अस्पतालों पर थोपने के बजाय उन्हें अपने सरकारी चिकित्सालयों की सुविधाओं में सुधार एवं विस्तार करना चाहिए। वहीं अखिल राजस्थान सेवारत चिकित्सक संघ भी इस बिल के विरोध में उतर गया है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अजय चौधरी का कहना है कि सरकार यदि यह बिल लाना चाहती है, तो पहले इसमें सुधार की जरूरत है। सुधार के लिए चिकित्सकों को पैनल में शामिल किया जाना चाहिए।

कार्रवाई नहीं करने का आरोप

दिव्यांग दंपती के फ्लैट पर दबंगों का कब्जा!

हिलव्यू समाचार
जयपुर। मालवीय नगर इलाके में दिव्यांग दंपती के फ्लैट पर कब्जा करने का मामला सामने आया है। इस संबंध ने दंपती ने पुलिस पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप भी लगाया है। पुलिस से कानूनी मदद नहीं मिलने के आरोपों के बाद अब दिव्यांग पीड़िता ने अध्यक्ष समाज कल्याण बोर्ड को पत्र लिखकर फ्लैट को कब्जा मुक्त कराने की मांग की है। पीड़िता नीता गुप्ता ने बताया कि वह पैरों से पोलियो ग्रस्त है और उसके पति सुनील कुमार गुप्ता मूक-बधिर (सीनियर सिटीजन) हैं।

उनके पति का हाउसिंग बोर्ड मालवीय नगर में 1-F-53 फ्लैट है, जिसे उन्होंने गीता शर्मा के पिताजी को किराए पर दिया था, लेकिन उनकी मृत्यु के बाद किराएदार की बेटी ने कोरोना काल में फ्लैट खाली नहीं किया और इसके बाद जब कोरोना काल की पाबंदियां पूरी हुई तो वह खाली कर जगतपुरा में जाकर रहने लग गई, लेकिन इस पर कब्जा करने की नियत से फ्लैट को अन्य को संभलवाकर किराए पर देकर चली गई। पीड़िता ने आरोप लगाया कि वह चलने में असमर्थ है और उनके पति बोल सुन नहीं सकते हैं, लेकिन जब यह पता लगा कि फ्लैट पर दूसरा किराएदार आ गया है तो उन्होंने मौके पर जाकर देखा।

जहां पर दूसरे किराएदार को मकान खाली करने को कहा तो उसमें मौजूद पुरुषों ने दिव्यांग दंपती से गाली गलौज और मारपीट की। इसके बाद उन्होंने पूरे मामले को लेकर मालवीय नगर पुलिस थाने में 281/2022 नंबर की एफआईआर दर्ज करवाई। इसकी जांच से संतुष्ट नहीं होने पर पीड़िता की शिकायत पर मामले को जवाहर सर्किल थाने को जांच के लिए सौंप दी।

फतेहपुर के पास हुई दुर्घटना: ओवरटेक करने के चक्कर में ट्रक और कार में भिड़ंत

सालासर बालाजी से दर्शन कर लौट रहे 5 दोस्तों की सड़क हादसे में मौत

कबाड़ में तब्दील हुई कार, युवकों के घर में कोहराम

हिलव्यू समाचार
सीकर। सीकर के फतेहपुर शेखावटी में सोमवार को दिल दहलाने वाला सड़क हुआ जिसमें कार सवार पांच दोस्तों की जान चली गई।

हादसे में मारे गए सभी लोग हरियाणा के रहने वाले थे। सोमवार को सुबह बिकमसरा गांव के पास तेज रफ्तार ट्रक और कार में जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें सवार पांच लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार कबाड़ में तब्दील हो गई। हादसे की सूचना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने लोगों की मदद कड़ी मशक्कत के बाद शवों को कार से निकाला और फतेहपुर हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया। बताया जा रहा है कि यह हादसा ओवरटेक करने की वजह से हुआ। डिप्टी एसपी राजेश कुमार विद्यार्थी ने बताया हरियाणा के फतेहाबाद इलाके के रहने वाले पांचों युवक अपनी कार से सालासर बालाजी के दर्शन करने के लिए आए थे. रात 11 बजे फतेहपुर इलाके में फतेहपुर-सालासर सड़क मार्ग पर उनकी कार की ट्रक से टक्कर हो गई। फतेहाबाद में रहने वाले उनके परिजनों को सूचना दी गई है। पुलिस ने बताया कि हादसे में मारे गए लोगों की पहचान अजय कुमार, अमित कुमार, संदीप, मोहनलाल और संदीप सिंह के रूप में हुई है।

संभलने का नहीं मिला मौका

जानकारी के अनुसार हरियाणा नंबर की कार सालासर की तरफ जा रही थी। इस दौरान कार सवार ने वाहन को ओवरटेक करने की कोशिश की तभी सामने से आ रहे ट्राले से जा टकराई। रफ्तार तेज होने के कारण कुछ सोचने का मौका नहीं मिला। धमाके की आवाज सुनकर लोग मौके पर पहुंचे, जिन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी।

आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने कहा...

सिटी पार्क का सौंदर्यीकरण बनाए रखने के लिए लगेगा प्रवेश शुल्क

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राजधानी के मानसरोवर वीटी रोड स्थित सिटी पार्क में आने वाली भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए आवासन मंडल द्वारा यहां दो सड़कों का निर्माण किया जाएगा। ये सड़कें वीटी रोड और अरावली रोड को (मध्यम मार्ग के समानांतर) जोड़ने का काम करेंगी। गौरतलब है कि वीकेंड पर पार्क के आसपास सुबह से शाम तक लोग जाम में फंसे नजर आते हैं। इसकी वजह से आवासन मंडल ने यह निर्णय लिया है।

सोमवार को मंडल मुख्यालय पर सिटी पार्क एवं फाउंटेन स्क्वायर परियोजना की समीक्षा बैठक में आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने बताया कि मानसरोवर स्थित सिटी पार्क में प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोग परिवार सहित आ रहे हैं। मध्यम मार्ग की ओर से आने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए फाउंटेन स्क्वायर के बाद 40 फीट की ओर मॉल के लिए ऑक्शन किए गए भूखंड के बाद 80 फीट की सड़क का निर्माण करवाएगा गौरतलब है कि वर्तमान में मध्यम मार्ग 80 फीट का है। बैठक में मुख्य अभियंता प्रथम केसी मीणा, वित्तीय सलाहकार संजय शर्मा, अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक अनिल माथुर, संजय पूनिया आदि मौजूद रहे।

आमजन की भी जिम्मेदारी: अरोड़ा

आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि पार्क आने वाले हर आगंतुक का यह दायित्व बनता है कि वह पार्क परिसर की किसी भी धरोहर को नुकसान न पहुंचाए और ना ही किसी को नुकसान पहुंचाने दे। पार्क का सौंदर्यीकरण व खूबसूरती बनी रहे यह मंडल ही नहीं आमजन की भी जिम्मेदारी है।

सिटी पार्क में लगेगा एंट्री शुल्क

आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने बताया कि सिटी पार्क में अवांछित लोगों की आवाजाही को रोकने एवं सौंदर्यीकरण को बनाए रखने के लिए आवासन मंडल द्वारा यहां एंट्री शुल्क शुरू किया जाएगा। इसके अलावा पार्क में चिल्ड्रन जिम के साथ आकर्षक सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जाएंगी। गौरतलब है कि पिछले दिनों पार्क में शरारती तत्वों द्वारा मूर्ति तोड़ने के कई मामले सामने आये थे। इसके बाद यह निर्णय लिया गया।

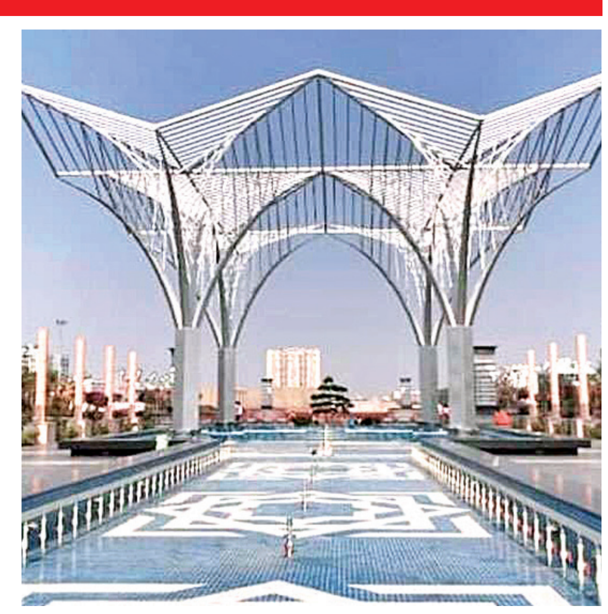

छत से गुजर रही हाईटेंशन लाइन की चपेट में आए दो मासूम

हिलव्यू समाचार
जयपुर। करौली के कुंडगांव थाना क्षेत्र के बांस मंडावरा में रविवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां शादी समारोह में आए दो मासूम 11 हजार केवी की लाइन की चपेट में आने से बुरी तरह झुलस गए। परिजन दोनों को इलाज के लिए गंगापुर सिटी के हॉस्पिटल लेकर आए जहां से उन्हें जयपुर रेफर कर दया गया। जानकारी के मुताबिक बांस मंडावरा स्थित विद्या मैरिज गार्डन में शादी समारोह का आयोजन हो रहा था। कुड़गांव निवासी विकास शर्मा और चेतन शर्मा समारोह में परिवार सहित पहुंचे थे। शाम के समय जब बच्चे खेलते-खेलते मैरिज गार्डन की छत पर चले गए। इसी दौरान बच्चे छत से करीब 2 फीट ऊपर से गुजर रही 11 हजार केवी की लाइन की चपेट में आ गए। हादसे में मिनाक्षी पुत्री विकास शर्मा और प्रिंस पुत्र चेतन शर्मा बुरी तरह झुलस गए। घायल दोनों बच्चों की उम्र 3-3 साल है और दोनों सगे भाईयों के बच्चे हैं। दोनों बच्चों का जयपुर में दुर्गापुरा स्थित हॉप हॉस्पिल में उपचार जारी है।

अवैध रूप से चल रहा था विवाह स्थल

इधर, इस मामले में परिजनों ने मैरिज गार्डन के ऑनर के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। थाने में दर्ज रिपोर्ट के मुताबिक ऑनर ने अवैध रूप से गार्डन का संचालन कर रहा था। बिजली निगम की ओर से भी मैरिज गार्डन संचालक को चंतावनी दी गई थी। लेकिन, कोई सावधानी नहीं बरती गई।

सरगना सहित पांच लोगों को दबोचा

सर्राफा व्यवसायी से 6.50 लाख लूटने वाले गिरफ्तार

हिलव्यू समाचार
अजमेर। अजमेर के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित नया बाजार से सर्राफा व्यवसायी का साढ़े 6 लाख रुपए से भरा बैग लूटकर भागने वाले 5 आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गए हैं। गिरोह का सरगना वारदात से लूटे गए रुपए मिलते ही फ्लाइट पकड़कर रामेश्वर भाग गया था। जिसे पुलिस ने दबोच लिया। पुलिस ने बदमाशों से 4 लाख रुपए की नकदी और वारदात में प्रयुक्त 2 बाइक भी जब्त की है। अजमेर उत्तर वृत्ताधिकारी छवि शर्मा ने बताया कि 15 जनवरी को नया बाजार में अशोक जैन के ग्राहक पवन सोनी का साढ़े 6 लाख रुपए से भरा बैग छीनकर बदमाश फरार हो गए थे। पकड़े गए आरोपियों में सरगना रवि प्रजापत, पादूकलां निवासी अनिल सामरिया, सूरज सैनी, श्रीनगर निवासी सौरभ उर्फ सूरज व दिलखुश उर्फ दिलू है।

एक माह से कर रहे थे रैकी

गिरोह के सरगना रवि कुमार प्रजापत ने पुलिस के सामने कबूल किया कि वह पिछले एक माह से रैकी कर रहा था। इसके चलते उसने कई लोगों को अपना टारगेट भी बनाया। बाद में उसने अपने स्थानीय दोस्तों व श्रीनगर के दोस्तों के साथ यह वारदात अंजाम दी।

जल्दी अमीर होने का था सपना

गिरोह का सरगना रवि प्रजापत जल्दी अमीर होना चाहता था। ऐसे में वह वारदातें अंजाम देने के लिए लगातार कोशिश कर रहा था। वारदात अंजाम देते ही उसने अनिल सामरिया, सूरज व एक अन्य को 50-50 हजार रुपए दिए और खुद रामेश्वर चला गया।

सर्दी के मौसम में भी करनी पड़ रही है पेयजल के लिए मशक्कत

पानी की समस्या से परेशान लोगों ने टंकी पर चढ़कर जताया विरोध

हिलव्यू समाचार
अलवर। अलवर में आए दिन पेयजल की समस्या को लेकर लोगों का गुस्सा फूट रहा है। सर्दी के मौसम में भी लोगों को पानी के लिए जूझना पड़ रहा है। ताजा मामला शहर के सोनावा डूंगरी के वार्ड 35 का है जहां पानी नहीं मिलने से नाराज स्थानीय लोग टंकी पर चढ़ गए। लोगों ने टंकी पर चढ़कर जलदाय विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और विभाग पर अनदेखी के आरोप लगाए। लोगों को कहना था कि शहर ने सर्दी के मौसम में भी पानी की समस्या विकराल रूप ले रही है। समस्या पर जलदाय विभाग अधिकारी कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। जब सर्दी के मौसम में पानी की समस्या है, तो आगे गर्मी में पानी की कितनी किल्लत होगी। स्थानीय लोग कई बार जलदाय विभाग और जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर अधिकारियों को समस्या से अवगत कर चुके हैं लेकिन परेशानी का समाधान नहीं किया गया है।

लंबे समय से है पानी की समस्या

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि इलाके में लम्बे समय से पानी की नियमित सप्लाई नहीं की जा रही है। स्थानीय निवासी रोशनी और सुरेश ने कहा की सोनावा डूंगरी क्षेत्र में लंबे समय से पानी की समस्या बनी हुई है और एक दिन छोड़कर एक दिन पानी आता है। ऐसे में लोगों के घरों में पानी की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। इसलिए जलदाय विभाग को पानी की नियमित सप्लाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा की डूंगरी पर जिस जगह टंकी है वहां उंचाई क्षेत्र होने के कारण पानी घरों तक नहीं पहुंच पाता है। गर्मियों का समय दूसरे वार्डों व टैंकरों से पानी भरने की मशक्कत में गुजर गया और अब सर्दियों में भी पानी की समस्या जस की तस बनी हुई है।

महंगा पानी खरीदने को मजबूर

लोगों ने कहा कि पानी की मांग को लेकर कई बार वार्ड पार्षद, जनप्रतिनिधि जिला प्रशासन से लेकर जलदाय विभाग के अधिकारियों को अवगत करा चुके हैं, लेकिन किसी ने इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया। मजबूरन लोगों को पानी के टैंकर डलवाने पड़ रहे हैं। इस क्षेत्र में मजदूर व गरीब वर्ग के लोगों की संख्या अधिक है। डूंगरी पर बने मकानों की ऊंचाई अधिक होने के कारण टैंकर वाले भी यहां आने से कतराते हैं। सर्दियों में 400 रुपए तो वहीं गर्मियों में 800 रुपए तक में टैंकर से पानी खरीदना पड़ता है।

वसंत पंचमी पर हो जाएं 'वासंती'

वसंत पंचमी के त्योहार से ही वसंत ऋतु की शुरुआत मानी जाती है. इसके बाद मौसम खुशनुमा हो जाता है. वसंत पंचमी के दिन लोग पीले रंग के कपड़े पहनते हैं क्योंकि पीला रंग प्रकृति से जुड़ा है और विद्या की देवी सरस्वती का प्रिय भी है. आप भी इस दिन बसंती रंग में रंग जाइए और पीले रंग को किसी भी रूप में शामिल कर वसंत को फेस्टिव अंदाज में सेलिब्रेट कर सकती हैं.

ट्रेडिशनल कपड़ों में जीतें दिल

वसंत पंचमी देसी त्योहार है, इसलिए ट्रेडिशनल ड्रेस का चुनाव करने की कोशिश करें. इस दिन लोग पतंगबाजी करते हैं और फैमिली फंक्शन्स या पार्टी का आयोजन करते हैं. अगर आप भी कुछ ऐसा ही प्लान कर रही हैं तो पंजाबी सलवार सूट, शरारा, अनारकली, लहंगा-चोली जैसे ट्रेडिशनल ड्रेस का चुनाव करें जो पीले रंग का हो. अगर आप साड़ी पहनने की शौकीन हैं तो साड़ी का ऑप्शन भी रखा जा सकता है. इसके साथ गोल्डन ज्वेलरी कैरी करें. आप गोल्ड भी पहन सकती हैं क्योंकि वसंत पंचमी पर सोना पहनना शुभ माना जाता है.

पीले रंग के साथ कंट्रास्ट

ऑलओवर येलो नहीं पहनना चाहते तो कंट्रास्ट का ऑप्शन चूज कर सकती हैं जैसे व्हाइट, ब्लू, मैजेंटा सूट के साथ पीला दुपट्टा. आप येलो कलर के ईयररिंग्स, हेयरबैंड या नेल पेंट से भी कंट्रास्ट कर सकती हैं. ग्रीन एंड येलो के कॉम्बिनेशन में नेल आर्ट करवाएं. इन दिनों नेल आर्ट का खूब चलन है, इसलिए खास मौके पर आप भी नेल आर्ट करवा सकती हैं.

इंडो-वेस्टर्न में भी दें येलो टच

अगर आप ट्रेडिशनल की जगह इंडो-वेस्टर्न ड्रेस पहन रही हैं तो उसमें भी येलो रंग शामिल करें, जैसे ब्लू जींस-टॉप के साथ येलो जैकेट. यलो टॉप के साथ ब्ल्यू स्कर्ट या जींस. वनपीस येलो ड्रेस के साथ मैचिंग मल्टीकलर एक्सेसरीज आदि का चयन कर सकती हैं.

एसेसरीज में भी ऑप्शन

अगर आप येलो ड्रेस कैरी नहीं करना चाहतीं तो इसकी जगह आप पीले रंग की हेयर एसेसरीज, फुटवियर या हैंडबैग ट्राई करें. अगर आप कॉलेज या फिर ऑफिस गोइंग हैं तो आप आसानी से अपनी ड्रेस से मेल खाती एसेसरीज, फुटवियर या बैग येलो कलर में कैरी कर खुद को कंप्लीट वासंती लुक दे सकती हैं.

ध्यान रखें

- ★ अगर येलो कलर आप पर सूट नहीं करता तो किसी दूसरे कलर के साथ इसे कंट्रास्ट कर पहनें.
- ★ ड्रेस अगर येलो है तो बाकी एक्सेसरीज किसी और रंग में कैरी करें.
- ★ येलो सूट नहीं पहन पाई हैं तो आप पीले गुलाब या अन्य पीले रंग के फूल बालों में सजा सकती हैं.

मनाएं खास तरीके से

सरस्वती पूजन का त्योहार

वसंत पंचमी के दिन सरस्वती माता की पूजा की जाती है. इस दिन हम सभी सुबह उठकर नहाकर पूजा करते हैं, खास तौर पर छात्र बड़ी श्रद्धा और आस्था से विद्यादायिनी मां शारदा की उपासना करते हैं. करते हैं. इस अवसर पर पंडालों और मंदिरों में सरस्वती पूजन का विशेष आयोजन होता है. छात्र इस दिन सरस्वती माता के चरणों में अपनी किताब भी रखते हैं.

करें घर की साफ-सफाई

सरस्वती पूजा के दिन सभी लोग घर की काफी अच्छे तरीके से साफ सफाई करते हैं. बिना पूजापाठ किए इस दिन कोई भी खाना नहीं खाता है. इस दिन बच्चे नए-नए कपड़े पहनते हैं. ऐसे में आप भी नए कपड़े पहनें, पूजा करें और सबको प्रसाद बांटें.

पंडाल घूमने जाएं

सरस्वती पूजा के दिन आप बच्चों के साथ बाहर भी घूमने जा सकती हैं. इस दिन पूजा करने के बाद कई लोग एक-दूसरे के घर भी जाते हैं. सरस्वती पूजा के दिन घर पर भी कई तरीके के पकवान भी बनते हैं. सुबह पूजा के बाद अपने परिवार के साथ पंडाल भी जाते हैं.

बनाएं पकवान

सरस्वती पूजा भारत भर में काफी खास तरीके से मनाते हैं. इस दिन तरह-तरह के पकवान बनाने के साथ ही हम अपने घर में शाम की आरती भी करते हैं. ऐसे में हम जब एक-दूसरे के घर जाते हैं तो मिठाई भी लेकर जाते हैं. ऐसे में आप भी अपने परिवार के साथ इस तरीके से सरस्वती पूजा का आयोजन कर सकती हैं.

ताजगी का एहसास 'नो मेकअप लुक'

नो मेकअप लुक का मतलब यह नहीं होता कि बिल्कुल मेकअप नहीं करना. दरअसल यह मिनिमल लुक फैशन है. मतलब इतना कम मेकअप हो कि ऐसा लगे कि मेकअप ही नहीं है. इसके बावजूद फेस और बॉडी लैंग्वेज में भरपूर ताजगी नजर आए. नो मेकअप लुक मेकअप करने का स्मार्ट तरीका है. आइए जानते हैं इसे किन तरकीबों से हासिल किया जा सकता है.

अपनाएं सही टेक्निक

नो मेकअप लुक में ताजगी और मेकअप न करने का भ्रम तभी हासिल किया जा सकता है जब इसके लिए बहुत सही तकनीक अपनाई जाए. जैसे- सबसे पहले चेहरे को क्लींजर से अच्छी तरह से साफ करें और चेहरे के दाग-धब्बों को छुपाने के लिए कंसीलर का इस्तेमाल करें. अब अपनी स्किन के मुताबिक यानी अगर ड्राई हो तो उसे ध्यान में रखते हुए ऑइली और नॉर्मल हो तो उसके मुताबिक चेहरे पर फाउंडेशन लगाएं. इस बात का ध्यान रखें कि फाउंडेशन स्किन की टोन से मैच करता हुआ हो. अब बेस मेकअप को फाइनल टच देने के लिए पूरे चेहरे पर लूज कॉम्पैक्ट लगाएं.

यह भी ध्यान रखें

जब मिनिमल लुक हासिल करना हो तो कंसीलर हमेशा फाउंडेशन से एक शेड हल्का हो. फाउंडेशन चेहरे पर अच्छी तरह से ब्लेंड हो, इसके लिए स्पंज की जगह उंगली का इस्तेमाल करें. लिक्विड फाउंडेशन के इस्तेमाल से पहले बोतल को अच्छी तरह से हिला लें वरना बोतल में नीचे बैठा रंग बोतल के ऊपर के लिक्विड को हल्का कर देता है क्योंकि रंग अक्सर नीचे तल में बैठ जाते हैं. अगर एक्स्ट्रा ग्लो चाहती हों तो दो अलग-अलग शेड्स ट्राइ करें. ऐसा करते समय पहला शेड वह इस्तेमाल करें जो आपकी स्किन के लिए फ्रेंडली हो. पूरे चेहरे को बेस लुक देने के लिए नाक, गला, ठुड्डी और माथे पर भी फाउंडेशन अप्लाई करें.

आई मेकअप

आई मेकअप देर तक टिके, इसके लिए आईलिड पर कंसीलर लगाएं. उसके बाद लूज पाउडर का इस्तेमाल करें ताकि कंसीलर सेट हो जाए. ऐसा करने से मेकअप बेस बन जाएगा और वह लंबे समय तक टिका रहेगा. आई मेकअप को और भी आकर्षक बनाने के लिए अपनी पसंद का आई शैडो अप्लाई करें. कुछ प्रयोग करना चाहती हों तो 2-3 शे* को ब्लेंड कर नया आई मेकअप बना सकती हैं. ब्लैक, ब्राउन या मनपसंद शेड का आईलाइनर लगाएं. इससे आई मेकअप बेहद आकर्षक बन जाता है. आई पेंसिल लगाकर उसे ईयर ब* से स्मज कर लें. इससे आपको स्मोकी लुक मिलेगी और आंखें बड़ी नजर आएंगी. अंत में मस्कारा लगाएं लेकिन मस्कारा लगाने से पहले आईलैशेज यानी पलकों को कर्ल जरूर कर लें.

राष्ट्रीय पर्यटन दिवस

देश में ही लें विदेश का मज़ा

घूमने फिरने के शौकीन और नई जगहों को एक्सप्लोर करने वाले लोग अक्सर विदेश जाकर घूमने की प्लानिंग करते हैं. अगर आप भी उनमें से एक हैं तो भारत में ही ऐसी ट्रेवल डेस्टिनेशन हैं जो हूबहू विदेशी जगहों जैसी दिखती हैं. यहां जाकर आप वैसा ही फील कर सकते हैं और आपके लाखों रुपए भी बच जाएंगे.

भारत का स्विट्जरलैंड है औली

आपने अक्सर लोगों को ये कहते हुए सुना होगा कि वे जीवन में एक न एक बार स्विट्जरलैंड जरूर जाना चाहेंगे. यकीनन स्विट्जरलैंड का आल्पस किसी स्वर्ग से कम नहीं पर वैसा ही मजा भारत के स्विट्जरलैंड कहे जाने वाले औली में ले सकते हैं. उत्तराखंड स्थित औली की बर्फीली वादियां स्विटजरलैंड के आल्प्स की तरह ही दिखाई देती हैं. यहां मौजूद शानदार रिसॉर्ट्स में रहकर आप जन्नत का मजा ले सकते हैं.

कर्नाटक का कूर्ग

कॉफी फार्मिंग देखने के साथ-साथ शानदार वादियों का मजा लेना चाहते हैं तो उसके लिए आपको ब्राजील जाने की जरूरत नहीं है. क्योंकि कर्नाटक का कूर्ग डेस्टिनेशन भी विदेश से कम नहीं है. अपनी कॉफी फार्मिंग और खूबसूरत वादियों के लिए मशहूर कूर्ग एक फेमस हनीमून डेस्टिनेशन भी है.

गोवा का बागा बीच

अगर आप जोरदार पार्टियों के शौकीन हैं तो आपको लास वेगास जाने की जरूरत नहीं है. गोवा के बागा बीच पर आप वेगास जैसी डीजे पार्टियों का मजा ले सकते हैं. बागा बीच के अलावा यहां वैगेटर, कैंडोलिम बीच पर भी आप बीच साइड पार्टी एन्जॉय कर सकते हैं.

थार रेगिस्तान

रेगिस्तान में ऊंट की सवारी से लेकर वहां के अनोखे अनुभव लेने के लिए जरूरी नहीं कि आप सहारा रेगिस्तान ही जाएं. इसके लिए आप भारत के थार रेगिस्तान में ऊंटों की सवारी का रोमांच उठा सकते हैं. इसके साथ ही यहां अन्य एडवेंचर स्पोर्ट्स और सनसेट का भी आप आनंद ले सकते हैं.

लक्षद्वीप

किसी आइलैंड पर प्रकृति के बीच समय बिताना चाहते हैं तो आप भारत के लक्षद्वीप आइलैंड जा सकते हैं, जो किसी विदेशी आइलैंड से कम नहीं है. यहां कांच की तरह साफ और नीले समुद्र की खूबसूरती आपको दीवाना बना देगी. यहां भी आप कई एक्टिविटीज जैसे स्कूबा डाइविंग, वॉटर स्पोर्ट्स आदि का मजा ले सकते हैं.

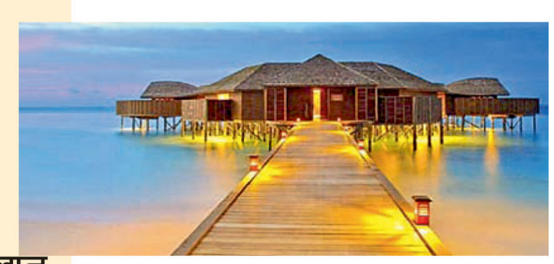

ओवरसाइज्ड नथ-मांगटीका का ट्रेंड

शादियों का सीजन शुरू हो गया है. नए साल के इस वेडिंग सीजन में आपको कई नए ट्रेंड्स दिखाई देंगे. पिछले साल ब्राइडल कलर पेस्टल और आइवरी था. वैसे इस नए साल में ये कलर पैलेट भी बदलने वाला है. ज्वेलरी में भी काफी कुछ बदलेगा. दुल्हन मॉडर्न के साथ ट्रेडिशनल टच चाहती हैं. विंटेज ज्वेलरी वापस लौटेगी.

रजवाड़ी स्टाइल होगी पहली पसंद

नथ

इस बार ओवरसाइज्ड नथ दुल्हन को ज्यादा पसंद आने वाली है क्योंकि यह नथ रॉयल लुक देती है.

मांगटीका

माथा पट्टी, छोटा मांगटीका वाला ट्रेंड इस वेडिंग सीजन में नहीं होगा. अब दुल्हनें बड़ा मांगटीका ही पहनेंगी. छोटे चेहरे पर बड़ा मांगटीका पूरे माथे को कवर कर लेता है. बिंदी लगाने का चलन भी इस बार नहीं होगा.

रानी हार चलन में

पिछले साल तक गले में केवल चोकर काफी पसंद किए जाते थे. इस बार ब्राइडल ज्वेलरी में चोकर के साथ रानी हार मैचिंग में होगा. रानी हार भी इस तरह का चलन में रहेगा जो कि फ्रंट को पूरा कवर करे. इस मैचिंग में हाथों के कड़े भी शामिल होंगे.

जड़ाऊ कॉकटेल रिंग

इस बार साधारण कॉकटेल रिंग नहीं, बल्कि जड़ाऊ कॉकटेल रिंग का ट्रेंड रहने वाला है. इसे पहनने के बाद आपको हाथों में किसी तरह की ज्वेलरी कैरी करने की जरूरत नहीं होती.

कुंदन व मोती

ज्वेलरी में मुगल और रजवाड़ी स्टाइल इस बार पसंद किए जाएंगे. इसमें पोल्की व कुंदन की ज्वेलरी शामिल होगी. अनफिनिश्ड नेचुरल डायमंड और स्टोन के रॉ फॉर्म से पोल्की ज्वेलरी तैयार की जाती है. मोती कभी फैशन से बाहर नहीं जाते.

महिलाएं लिक्विडिटी को भी समझें

कहा जाता है कि पैसा पावर है. यह व्यक्ति को अपनी रुचियों व पैशन को पूरा करने का मौका देता है और सुरक्षा प्रदान करता है. पैसा जीवन में बदलाव ला रहा है, महिलाओं के लिए भी. आज महिलाएं कामकाजी हैं और उनकी अपनी कमाई उन्हें वित्त से जुड़े फैसले लेने की शक्ति देती है लेकिन बेहतर भविष्य के लिए असेट बनाना ही काफी नहीं है. आपको यह भी सुनिश्चित करना होगा कि अच्छी लिक्विडिटी के साथ आप अपनी सम्पत्ति प्लान करें. यह जानना जरूरी है कि लिक्विडिटी कैसे महिलाओं की वित्तीय स्वतंत्रता को प्रभावित कर सकती है.

लिक्विडिटी का मतलब है आपके पास पैसा कब उपलब्ध है, वह चाहे किसी भी रूप में हो. जरूरत के हिसाब से लिक्विडिटी को मेनटेन करना होता है. उदाहरण से समझें कि 2 वर्ष के बाद यदि आपको 4 लाख रुपए की जरूरत है तो आप अपने पैसे को ऐसे इनवेस्ट करें कि 2 वर्ष के बाद यह निवेश परिपक्व होकर 4 लाख रुपए दे. यह प्रॉपर लिक्विडिटी मेंटेनेंस है. प्रॉपर लिक्विडिटी इमरजेंसी में महिलाओं को सिक्योरिटी प्रदान कर सकती है. लिक्विडिटी में वे सब शामिल हैं जिन्हें वित्तीय कठिनाइयों का सामना करने पर बिना समय लिए नकदी में बदल सकें.

बेहतर वित्तीय फैसले से भविष्य सुरक्षित

फाइनेंस पर पकड़ महिलाओं को अपने जीवन को संभालने में मदद कर सकती है. हर महिला आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने की हकदार है. वहीं बेहतर वित्तीय निर्णय जीवन के हर क्षेत्र में सफलता का एक अनिवार्य घटक माने गए हैं. ये किसी भी आपात स्थिति का सामना करने के लिए आपको आत्मविश्वासी और भविष्य के लिए तैयार करते हैं.

इस तरह करें प्लान

- ✦ केवल आपात स्थितियों में ही नहीं, लिक्विडिटी आपके पोर्टफोलियो का एक अभिन्न अंग होना चाहिए क्योंकि यह आपको तत्काल खरीदारी की शक्ति और वित्तीय लचीलापन देती है.
- ✦ ऐसा माना गया है कि आपके पोर्टफोलियो में कम से कम 15% हाई लिक्विडिटी होनी चाहिए.
- ✦ स्टॉक, बॉन्ड, म्यूचुअल फंड और ईटीएफ जैसी परिसंपत्तियां भी लिक्विडिटी हैं. उन्हें नकदी में बदलना थोड़ा जटिल है लेकिन ऐसी परिसंपत्तियों के खरीदार और विक्रेता सुलभ हैं. इसलिए उन्हें आसानी से बेचा जा सकता है. कुछ राशि म्यूचुअल फंड, शेयरों आदि में निवेश करें जिनमें हाई लिक्विडिटी हो.
- ✦ महिलाएं डाकघर या बैंक में अपने नाम से बचत खाता अवश्य खोलें.
- ✦ लिक्विडिटी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि आपात स्थिति के दौरान लोगों के पास नकदी के बदले कार या घर जैसी संपत्तियों को बेचने का हमेशा समय नहीं होगा. आसानी से उपलब्ध धन का होना कठिन परिस्थितियों के दौरान एक वरदान है.

इस तरह बढ़ा सकते हैं अपनी प्रोडक्टिविटी

यदि आप प्रोडक्टिविटी बढ़ाना चाहते हैं तो इसके लिए आपको कोई खास रणनीति बनाने की जरूरत नहीं है. इन आदतों को अपनाएं-

- ✦ सबसे पहले उन कार्यों पर फोकस करें जो महत्त्वपूर्ण हैं. इसलिए सभी कार्यों पर विचार करें और प्राथमिकता के आधार पर लिस्ट तैयार करें. महत्त्वपूर्ण कार्यों को निपटाने के लिए बिजनेस कोच की भी मदद ले सकते हैं.
- ✦ अपने प्रोडक्टिव वर्क टाइम को पहचानें. समय के अनुसार ही अपने कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करें. यदि आप रिमोट वर्क कर रही हैं तो अपनी क्षमता के अनुसार कार्य कर सकती हैं.
- ✦ कार्य शुरू करने से पहले अपने वर्कस्पेस को ऑर्गेनाइज करना जरूरी है. वर्कस्पेस व्यवस्थित होगा तो आप अपने काम पर ठीक से फोकस कर पाएंगी.
- ✦ मूड और प्रोडक्टिविटी को बढ़ाने में रंगों का विशेष महत्त्व होता है. नीला रंग शांत मन से कार्य के लिए प्रेरित करता है. लाल रंग उत्सुकता बढ़ाता है.

INTERIOR जोन

ब्लैक एंड व्हाइट कैबिनेट से करें किचन का मेकओवर

घर के किचन को बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है क्योंकि महिलाएं दिन का ज्यादातर समय यहीं बिताती हैं. इसलिए घर में किचन के निर्माण के दौरान वह हर छोटी से बड़ी बातों का ध्यान रखती हैं. कई बार इंटीरियर ऐसा हो जाता है कि किचन की खूबसूरती ही खत्म हो जाती है. इसलिए जरूरी है कि घर के किचन का इंटीरियर कुछ इस तरह का रखें कि यह खूबसूरत दिखने के साथ ही स्पेसियस भी हो.

- ✦ कैबिनेट्स अच्छें होंगे तो महिलाओं का मूड भी अच्छा रहेगा और वह खाना बनाते समय खुश रहेंगी. सफेद रंग की खास बात यह कि ये

किचन में रोशनी को बढ़ाता है. ब्लैक एंड व्हाइट कलर का कॉम्बीनेशन देखने में काफी अट्रैक्टिव लगता है.

- ✦ यदि आप किचन में ब्राइट कलर का इस्तेमाल करना चाहती हैं तो सफेद के साथ ब्ल्यू कलर भी चूज कर सकती हैं. ये दोनों रंग किचन को एक रॉयल लुक देंगे. इससे किचन साफ और नया दिखेगा.
- ✦ कैबिनेट के दराज पूरी तरह से काले होने पर चीजें ढूंढना मुश्किल हो जाता है. ऐसे में कैबिनेट दराज के केवल बाहरी हिस्से को काला करें. अंदरूनी डिजाइन और रंग सफेद रखें इससे समान ढूंढने में आसानी रहेगी.
- ✦ किचन को ड्रेसिंग रूम की तरह फैशनेबल बनाना है तो एक तरफ सफेद रंग के दरवाजे और दूसरी तरफ काले रंग के दरवाजे बनवा सकते हैं. यकीन मानिए, लोग तारीफ करते नहीं थकेंगे. अपने कैबिनेट और किचन को रिच लुक देने के लिए कलर ऑफ व्हाइट, आइवरी, क्रीम या ग्रे जैसे कलर ही चूज करें. इससे किचन खुला दिखने के साथ ही रिफ्लेक्ट भी करता है और खूबसूरत दिखता है.
- ✦ यदि आप किचन में एक से ज्यादा कलर चाहती हैं तो बेहतर तो एक ही कलर पैलेट के डिफरेंट शे* का इस्तेमाल कर सकती हैं. आप चाहें तो न्यूट्रल बैकड्राप के साथ ब्राइट कलर को छोटे-छोटे टुकड़ों में दिखा सकती हैं. जैसे अप्लायन्स या कैबिनेट हैंडल के जरिए.
- ✦ किचन में सामान रखने की जगह बढ़ाने के लिए आप सिंक के ऊपर कुछ स्टोरेज बास्केट या शेल्फ लगवा सकती हैं. ये किचन को ऑर्गनाइज्ड लुक देने के साथ ही खूबसूरत भी बनाते हैं. बस रंग का ध्यान जरूर रखें. किचन में सीलिंग तक कैबिनेट बनवाए जा सकते हैं जहां एक्स्ट्रा चीजें आसानी से स्टोर की जा सकती हैं.

सशस्त्र बलों को कोई सबूत दिखाने की नहीं है ज़रूरत: राहुल गांधी

जम्मू (एजेंसी)। सर्जिकल स्ट्राइक को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह के बयान को लेकर बढ़ते सियासी घमासान के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि वह और उनकी पार्टी सिंह के इस बयान से सहमत नहीं हैं और सशस्त्र बलों को कोई सबूत दिखाने की जरूरत नहीं है। सिंह ने सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाया था और सरकार पर झूठ बोलने का आरोप लगाया था। गांधी ने यहां संवाददाताओं से कहा, मैं दिग्विजय सिंह के बयान से सहमत नहीं हूं। यह पूरी तरह स्पष्ट है कि हम इससे असहमत हैं। यह कांग्रेस का आधिकारिक रुख है। सिंह ने सोमवार को जम्मू में एक जनसभा में कहा था, वे सर्जिकल स्ट्राइक की बात करते हैं। वे कई लोगों को मारने की बात करते हैं लेकिन कोई सबूत नहीं दिया।

मेरी छवि बिगाड़ने के लिए भाजपा ने करोड़ों रुपए खर्च किए

राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा और आरएसएस ने उनकी छवि बिगाड़ने के लिए क्रमबद्ध तरीके से हजारों करोड़ रुपए लगाए हैं, लेकिन सच हमेशा सामने आता है। वह सोशल मीडिया पर उपहासपूर्ण तरीके से खुद को 'पप्पू' कहे जाने के संदर्भ में यह बात कह रहे थे। राहुल ने कहा कि कांग्रेस भाजपा को यह सिखाएगी कि इस देश में सच चलता है, धन, ताकत और अहंकार नहीं चलता। जम्मू में संवाददाताओं से बातचीत में कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि आरएसएस और भाजपा के नेताओं को लगता है कि धन और ताकत से सब कुछ हासिल किया जा सकता है। आप किसी को अपमानित कर सकते हैं, किसी की छवि बिगाड़ सकते हैं, किसी सरकार को खरीद सकते हैं, पैसे से कुछ भी किया जा सकता है। लेकिन वह सच नहीं होगा। सच हमेशा धन और ताकत को किनारे कर देता है और भाजपा के नेता धीरे-धीरे इस हकीकत से वाकिफ हो रहे हैं।

उर्मिला मातोंडकर यात्रा में हुई शामिल

अभिनेत्री से नेता बनी उर्मिला मातोंडकर मंगलवार को सुबह यहां कड़ाके की सर्दी में भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुईं। मातोंडकर कड़ी सुरक्षा के बीच सुबह करीब आठ बजे नागरोटा सैन्य अड्डे के समीप शुरू हुई पदयात्रा में राहुल के साथ शामिल हुईं। उनका स्वागत करने के लिए सड़क के किनारे कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक खड़े थे। मातोंडकर ने सितंबर 2019 में कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था और 2020 में शिवसेना में शामिल हो गई थीं। इसके अलावा कांग्रेस के कई नेता भी यात्रा में शामिल थे।

नफरत से लड़ रहे हैं राहुल : देवेगौड़ा

बेंगलुरु। पूर्व पीएम एच. डी. देवेगौड़ा ने राहुल गांधी को उनकी यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं और लोगों के बीच सद्भाव का संदेश फैलाकर नफरत व हिंसा से लड़ने के लिए उनकी सराहना की। जनता दल (सेक्युलर) के प्रमुख ने 30 जनवरी को श्रीनगर में यात्रा के समापन समारोह में शामिल होने में असमर्थता भी जताई।

एक नज़र

टीएमसी ने घोषणा पत्र में किया वादा

मेघालय में सत्ता में आए तो असम के साथ सीमा समझौता होगा रद्द

शिलांग (एजेंसी)। मेघालय में विपक्षी तृणमूल कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि यदि वह राज्य में सत्ता में आती है, तो वह असम के साथ हुए सीमा समझौते को रद्द कर देगी। टीएमसी ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में यह बात कही। टीएमसी ने कहा कि दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद के 'स्थायी' समाधान के लिए नए सिरे से सलाह-मशविरा और परामर्श शुरू किया जाएगा।

मेघालय में विधानसभा चुनाव 27 फरवरी को होने हैं और वोटों की गिनती दो मार्च को होगी। असम और मेघालय ने मार्च 2022 में 12 विवादित स्थानों में से छह स्थानों में अपने पांच दशक पुराने सीमा संकट को समाप्त करने का फैसला किया था। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने पार्टी का चुनावी घोषणापत्र जारी किया। घोषणापत्र के अनुसार रणनीतिक स्थानों पर पुलिस चौकियों की स्थापना के माध्यम से सीमावर्ती गांवों के लोगों की सुरक्षा को भी बढ़ाया जाएगा, और मुक्रोह जैसी गोलीबारी की घटनाओं को भी रोका जाएगा। जिसकी वजह से मेघालय के निर्दोष निवासियों की दुर्भाग्यपूर्ण मौत हुई थी।

गरीबी मुक्त मेघालय का किया वादा

पार्टी ने 'गरीबी मुक्त' मेघालय का भी वादा किया और अगले पांच वर्षों में राज्य के लिए दो अंकों की विकास दर का आश्वासन दिया। राज्य में 2021 में 17 में से 12 कांग्रेस विधायकों के टीएमसी में शामिल होने के बाद पार्टी ने इस पूर्वोत्तर राज्य में अपने पैर जमा लिए हैं।

ग्रेटर टिपरालैंड की मांग का विरोध

अगरतला। तृणमूल कांग्रेस त्रिपुरा प्रभारी राजीव बनर्जी ने मंगलवार को यहां कहा कि पार्टी 'ग्रेटर टिपरालैंड' या राज्य के विभाजन की टिपरा मोथा की मांग का समर्थन नहीं करती है। लेकिन जातीय लोगों को विशेष दर्जा देने पर बातचीत की जा सकती है। भाजपा, माकपा और कांग्रेस पहले ही 'ग्रेटर टिपरालैंड' या जातीय लोगों के लिए एक अलग राज्य की मांग को ठुकरा चुके हैं।

पराक्रम दिवस: सुभाष चंद्र बोस को देशभर में किया गया याद

नेताजी को भुलाने का प्रयास किया गया: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वतंत्रता संग्राम के अप्रतिम योद्धा और महान नायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस को उनकी 126 वीं जयंती पर सोमवार को पूरे देश में याद किया गया और उनको नमन किया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत अनेक नेताओं ने नेताजी की राष्ट्र के प्रति सेवाओं को याद किया। देश ने उनके जन्मदिन को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर अण्डमान और और निकोबार द्वीप समूह के 21 सबसे बड़े द्वीपों का नामकरण परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर किया। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने यह आरोप लगाया कि आजादी के बाद देश के स्वाधीनता आंदोलन के इतने बड़े नायक को भुला देने का प्रयास किया गया।

धानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व अन्य नेताओं ने नई दिल्ली में संसद के केंद्रीय कक्ष में नेताजी सुभाषचंद्र बोस को नमन किया

देश के सामर्थ्य को कम करके आंका गया

पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि पहले की सरकारों में विकृत वैचारिक राजनीति के कारण आत्मविश्वास की कमी और हीनभावना रही जिसकी वजह से देश के सामर्थ्य को कमतर आंका गया। पूर्ववर्ती सरकारों ने दुर्गम और अप्रासंगिक मानकर हिमालयी, पूर्वोत्तर और द्वीपीय क्षेत्रों की दशकों तक उपेक्षा की तथा उनके विकास को नजरअंदाज किया। नेताजी की याद में दिल्ली के इंडिया गेट पर उनकी प्रतिमा स्थापित करने, आजाद हिंद सरकार के गठन के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर लाल किले पर तिरंगा फहराने, उनके जीवन से जुड़ी फाइलों को सार्वजनिक करने सहित कई अन्य कदमों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, 'जिन नेताजी सुभाष चंद्र बोस को आजादी के बाद भुला देने का प्रयास हुआ, आज देश उन्हें पल-पल याद कर रहा है। इस कार्यक्रम में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से प्रधानमंत्री ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप पर बनाए जाने वाले नेताजी राष्ट्रीय स्मारक के प्रतिरूप का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, तीनों रक्षा सेवाओं के प्रमुख, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह के उपराज्यपाल देवेंद्र कुमार जोशी सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

परमवीर द्वीप: दो द्वीपों के नाम राजस्थान के सपूतों पर

अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह के सबसे बड़े द्वीप का नामकरण प्रथम परमवीर चक्र विजेता के नाम पर किया गया। इसी प्रकार आकार की दृष्टि से अन्य द्वीपों का नामकरण किया गया। परमचक्र विजेताओं में दो सपूत मेजर शैतान सिंह व कंपनी हवलदार पीरू सिंह शेखावत राजस्थान के हैं। 21 अनाम द्वीपों का नाम जिन परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर रखा गया है उनमें मेजर सोमनाथ शर्मा, सूबेदार और मानद कप्तान (तत्कालीन लांस नायक) करम सिंह, एम.एम., सेकंड लेफ्टिनेंट राम राघोबा राणे, नायक जदुनाथ सिंह, कंपनी हवलदार मेजर पीरू सिंह, कैप्टन जी.एस. सलारिया, लेफ्टिनेंट कर्नल (तत्कालीन मेजर) धन सिंह थापा, सूबेदार जोगिंदर सिंह, मेजर शैतान सिंह, सीक्यूएमएच अब्दुल हमीद, लेफ्टिनेंट कर्नल अर्देशिर बुर्जोरजी तारापोर, लांस नायक अल्बर्ट एक्का, मेजर होशियार सिंह, सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल, फ्लाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखों, मेजर रामास्वामी परमेश्वरन, नायब सूबेदार बाना सिंह, कप्तान विक्रम बत्रा, लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे, सूबेदार मेजर (तत्कालीन राइफलमैन) संजय कुमार और सूबेदार मेजर सेवानिवृत्त (मानद कप्तान) ग्रेनेडियर योगेंद्र सिंह यादव शामिल हैं।

लोकप्रियता के लिए कवायद: ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि अंडमान-निकोबार में द्वीपों का नाम बदलने का मकसद केवल लोकप्रियता हासिल करना है क्योंकि नेताजी ने खुद ही 1943 में इन द्वीपों का नाम 'शहीद' और 'स्वराज' रखा था। उन्होंने केंद्र पर महान स्वतंत्रता सेनानी द्वारा परिकल्पित योजना आयोग को खत्म करने का भी आरोप लगाया।

भारत को महान राष्ट्र बनाना ही लक्ष्य

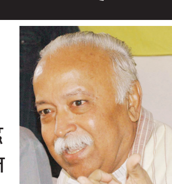

कोलकाता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को कहा कि उनके संगठन और नेताजी सुभाष चंद्र बोस का लक्ष्य एक ही है- भारत को एक महान राष्ट्र बनाना। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में नेताजी के योगदान की सराहना करते हुए भागवत ने सभी से बोस के गुणों व शिक्षाओं को आत्मसात करने और देश को विश्व गुरु बनाने की दिशा में काम करने का आग्रह किया।

महाराष्ट्र: निकाय चुनाव से पहले नया गठजोड़

उद्धव व प्रकाश अंबेडकर की पार्टियों के बीच गठबंधन

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) और प्रकाश अंबेडकर की पार्टी वंचित बहुजन आघाड़ी (वीबीए) ने महाराष्ट्र के कई शहरों में निकाय चुनाव से पहले सोमवार को शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे की जयंती पर गठबंधन का ऐलान किया। ठाकरे के इस कदम को राज्य में निकाय चुनाव से पहले दलितों के बीच समर्थन को मजबूत करने के रूप में देखा जा रहा है। राज्य के विदर्भ क्षेत्र में वीबीए की उपस्थिति है और अंबेडकर ने वर्ष 1998 और 1999 में अकोला लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। ठाकरे ने यहां संयुक्त प्रेसवार्ता में कहा कि उनके दादा केशव ठाकरे और प्रकाश अंबेडकर के दादा भीम राव अंबेडकर समकालीन थे और एक-दूसरे की सराहना करते थे। दोनों ने ही साामजिक बुराइयों और कुप्रथाओं को खत्म करने के लिए काम किया। केशव ठाकरे को प्रबोधनकर ठाकरे के रूप में भी जाना जाता है। उद्धव ने कहा कि इन दिनों राजनीति में कुछ कुरीतियां हैं, जिनके उन्मूलन के लिए इन दोनों नेताओं के वंशज तथा उनसे जुड़े लोग एकजुट हुए हैं।

परिवर्तन की राजनीति शुरू

प्रकाश अंबेडकर ने कहा कि अभी यह गठबंधन केवल शिवसेना और वीबीए के बीच है, लेकिन उन्होंने उम्मीद जताई कि इसमें महा विकास आघाड़ी (एमवीए) के अन्य घटक दल भी शामिल होंगे। वीबीए और शिवसेना (यूबीटी) का एकजुट होना परिवर्तन की राजनीति की शुरुआत है। ज्ञात हो कि जोगेंद्र कवाड़े की अगुवाई वाली एवं राज्य में दलित समुदाय में पैठ रखने वाली पीपुल्स रिपब्लिकन पार्टी (पीआरपी) ने पिछले महीने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की 'बालासाहेबांची शिवसेना' से हाथ मिला लिया था। ठाकरे ने कहा कि एमवीए में वीबीए को शामिल करने को लेकर उन्हें कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की ओर से कोई विरोध नहीं दिखता।

देश निरंकुश शासन की ओर बढ़ रहा

उद्धव ने कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए एकजुट हुए हैं कि लोकतंत्र बरकरार रहे। महाराष्ट्र और केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा का नाम लिए बगैर उद्धव ने कहा कि देश निरंकुश शासन की ओर बढ़ रहा है।

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने वर्ष 2022 में 1.21 लाख मामलों का किया निस्तारण

सबसे पुराना मामला था सन 1968 का

दिनेश शर्मा 'अधिकारी'

नई दिल्ली। मुख्य न्यायाधीश ने यह भी कहा कि जनवरी 2022 से, उच्च न्यायालय की सभी 3 बेंच 30 मिनट की अतिरिक्त अवधि के लिए काम कर रही हैं, जिससे मामलों के निपटान में परिणामी वृद्धि हुई है। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रवि मालिमथ ने गुरुवार को कहा मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने वर्ष 2022 में 1,21,041 मामलों का निस्तारण किया और इस तरह का सबसे पुराना मामला वर्ष 1968 का था। मुख्य न्यायाधीश (सीजे) 74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर उच्च न्यायालय में एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'वर्ष 2022 में 1,21,041 प्रकरणों का निस्तारण किया गया है। सबसे पुराना मामला जो निपटाया गया है वह वर्ष 1968 का था। वर्ष 1984 व 1987 के 35-40 वर्ष पुराने दो प्रकरणों का निस्तारण किया गया। 30-35 वर्षों से लम्बित पड़े चार प्रकरणों का निस्तारण किया गया। 144 मामले 25-30 साल से लंबित, 1,039 मामले 20-25 साल से लंबित, 15-20 वर्षों से लंबित 1,565 मामले, 10-15 वर्षों से लंबित 2,400 मामले, 5-10 वर्षों से लंबित 6,670 मामले और पिछले पांच वर्षों से लंबित 1,09,216 मामलों का निस्तारण किया गया।' मुख्य न्यायाधीश ने यह भी कहा कि जनवरी 2022 से, उच्च न्यायालय की सभी 3 बेंच 30 मिनट की अतिरिक्त अवधि के लिए काम कर रही हैं, जिससे मामलों के निपटान में परिणामी वृद्धि हुई है। मुख्य न्यायाधीश मालिमथ ने अपने भाषण में स्वतंत्रता संग्राम के दौरान स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा दिए गए बलिदानों को भी याद किया।

कॉलेजियम व न्यायिक नियुक्ति का मामला

आईबी व रॉ की रिपोर्ट सार्वजनिक करना चिंता का विषय: केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजीजू

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजीजू ने मंगलवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम द्वारा खुफिया ब्यूरो (आईबी) और रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) की संवेदनशील रिपोर्ट के कुछ अंशों को सार्वजनिक मंच पर रखा जाना गंभीर चिंता का विषय है।

उन्होंने कहा कि खुफिया एजेंसियों के अधिकारी देश के लिए गोपनीय तरीके से काम करते हैं और अगर उनकी रिपोर्ट सार्वजनिक की जाती है, तो वे भविष्य में काम करने से पहले दो बार सोचेंगे रिजीजू उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम के हाल ही में सार्वजनिक किए गए कुछ प्रस्तावों से जुड़े सवालों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। इन प्रस्तावों में शीर्ष अदालत द्वारा उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के पद के लिए सुझाए गए कुछ नामों के संबंध में आईबी और रॉ की रिपोर्ट के कुछ अंश शामिल थे। सरकार ने उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम द्वारा सार्वजनिक किए गए इन रिपोर्ट के अंशों पर पहली बार प्रतिक्रिया दी है। कॉलेजियम ने खुफिया सूचनाओं को खारिज करते हुए इस महीने की शुरुआत में सरकार के सामने संबंधित नामों को फिर से दोहराया था। रिजीजू ने यहां एक कार्यक्रम में संवाददाताओं से कहा, रॉ और आईबी की संवेदनशील या गोपनीय रिपोर्ट को सार्वजनिक मंच पर रखना गंभीर चिंता का विषय है, जिस पर मैं उचित समय पर प्रतिक्रिया दूंगा।

हमें मिलकर काम करना है

रिजीजू ने सीजेआई चंद्रचूड से इस बारे में बात करने संबंधी एक सवाल के जवाब में कहा कि हम हमेशा संपर्क में हैं। वह न्यायपालिका के प्रमुख हैं और मैं सरकार तथा न्यायपालिका के बीच सेतु हूं, इसलिए हमें मिलकर काम करना है। कॉलेजियम ने वकील आर जॉन सत्यम का नाम मद्रास उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के लिए दोहराते हुए आईबी की 'प्रतिकूल टिप्पणियों' का जिक्र किया था। अधिवक्ता सौरभ कृपाल को न्यायाधीश नियुक्त करने की अपनी सिफारिश के संदर्भ में रिपोर्ट का हवाला दिया।

दुर्गापुरा से सांगानेर जाने वाले वाहन आश्रम मार्ग से होंगे डायवर्ट

हिलव्यू समाचार
जयपुर। बी-2 बाईपास चौराहा को सिग्नल फ्री बनाने की कवायद के कारण आज से ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया गया है। निर्माण कार्य के चलते यातयात पुलिस जयपुर ने वाहनों की आवाजाही के लिए नया रूट प्लान जारी किया है। डीसीपी ट्रैफिक प्रहलाद सिंह कृष्णियां ने बताया कि जेडीए की ओर से बी-2 बाईपास चौराहा को सिग्नल फ्री बनाने को लेकर निर्माण कार्य जारी हैं। जिसके कारण सोमवार से यातायात व्यवस्था में बदलाव किया है। नई व्यवस्था में वाहनों को आने-जाने की अनुमति होंगी।

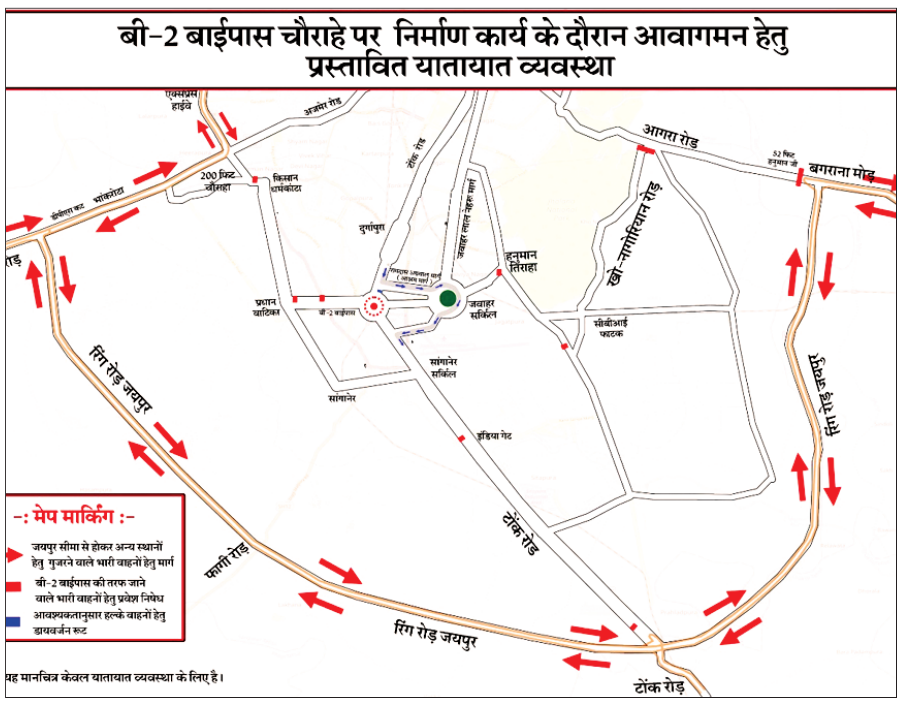

यहां यातायात में बदलाव नहीं

नई व्यवस्था के तहत जवाहर सर्किल, सांगानेर, द्वारका दास चौराहा की तरफ से बी-2 बाईपास पर आने वाले यातायात में बदलाव नहीं होगा। लेकिन दुर्गापुरा की तरफ से सांगानेर जाने वाले वाहनों को आवश्यकतानुसार आश्रम मार्ग से डायवर्ट कर जवाहर सर्किल,टर्मिनल 3 कट से,सिद्धार्थ नगर चौराहा, तारों की कूंट होकर सांगानेर की तरफ से निकाला जाएगा। सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र में आने वाले वाहन इंडिया गेट से आगे टोंक रोड की तरफ नहीं आ सकेंगे।

भारी वाहन रिंग रोड से आ-जा सकेंगे

अजमेर से टोंक, कोटा, आगरा, दौसा की तरफ जाने वाले भारी वाहन रिंग रोड से जा सकेंगे। टोंक, कोटा की तरफ से आने वाले भारी वाहन जो अजमेर, दिल्ली आगरा की तरफ जाएंगे, उन्हें भी रिंग रोड से जाना होगा। मुहाना मंडी, रीको में आने-जाने वाले वाहन प्रधान वाटिका चौराहा से बी-2 बाईपास चौराहा की तरफ नहीं आ सकेंगे। इन वाहनों को न्यू सांगानेर रोड से बदरवास तिराहा, 200 फुट चौराहा से जाना होगा। जगतपुरा से आने वाले वाहन जगतपुरा पुलिया के नीचे से सीबीआई फाटक होकर जा सकेंगे। खो नागोरियान रोड से आने वाले भारी वाहनों को सीबीआई फाटक से डायवर्ट किया जाएगा।

एयू फाउंडेशन लाएगा राजस्थान स्पोर्ट्स में नई ऊर्जा

एयू स्माल फाइनेंस बैंक एयू फाउंडेशन के ज़रिए फाउंडेशन मज़बूत करेगा राजस्थान स्पोर्ट्स की

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। एयू स्माल फाइनेंस बैंक ने स्पोर्टस की दुनिया में नए खिलाड़ी देने की पेशकश में पहला क़दम बढ़ाया है। जिसमें एयू फाउंडेशन के ज़रिए राजस्थान के छोटे-छोटे शहर में छिपी प्रतिभा को नेशनल इंटरनेशनल लेवल तक पहचान बनाने का मौक़ा मिलेगा। इस पहल में 'बनो चैंपियन' राज्य स्तरीय टूर्नामेंट्स का आयोजन कल 29 जनवरी से इनडोर हॉल एसएमएस स्टेडियम में एयू फाउंडेशन करने जा रहा है जिसमें लगभग प्रदेश के 1600 से 1800 बच्चे भाग लेंगे। यह टूर्नामेंट्स तीन दिवसीय हैं। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राजस्थान चीफ़ सेक्रेटरी उषा शर्मा व सेलिब्रिटी स्पोर्ट्स गेस्ट गीता फोगाट होंगी। एयू फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य स्पोर्ट्स में प्रदेश को पहचाना दिलाना है।

जार मुख्यालय जयपुर कमिश्नरेट में जार पत्रकार संगठन ने मनाया गणतंत्र दिवस

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। जार प्रदेश कार्यकारिणी व जयपुर कार्यकारिणी के पत्रकार संगठन ने धूमधाम से 74वां गणतंत्र दिवस मनाया। मुख्यालय में झंडारोहण कर सभी ने हर्षोल्लास के साथ एक-दूसरे को बधाई दी। जार प्रदेशाध्यक्ष हरिबल्लभ मेघवाल ने झंडारोहण किया। कार्यक्रम के दौरान जार महासचिव दीपक शर्मा, दीपक पँवार, मुकेश मिश्रा, बालेन्द्र शर्मा, दिनेश शर्मा,मनीष हूजा व जार के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने किया गुमान भारत का पोस्टर विमोचन

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। *कान्हा जी फाउंडेशन अभिनंदन भारत द्वारा महिला दिवस पर गुमान भारत कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जिसकी अवधि 1 माह की होगी। कार्यक्रम के आयोजक घनश्याम मुलानी एवं टीना सरिया ने बताया कि गुमान भारत में अलग-अलग प्रकार के कई भव्य कार्यक्रम किए जाएंगे। इस कार्यक्रम के पोस्टर विमोचन पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे ने किया और आयोजकों व टीम को अग्रीम शुभकामनाएं व बधाई दी। इस अवसर पर विख्यात ज्योतिषाचार्य चंद्रशेखर पारीक डॉक्टर रितिका पारीक विजय हरलानी और कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।*

कविता (बसंत पंचमी पर विशेष)

नमन है मां वीणापाणिनी

वंदना वीणापाणि की*
नमन है मां वीणापाणि
चरण में पुष्प चढ़ाता हूँ।
तिलक करता हूं चंदन से,
तुम्हें कुमकुम लगाता हूँ।।
मैं अपना शीश झुकाता हूँ
दया कर दो वागेश्वरी
शरण मैं तेरी आया हूँ।।
नमन है मां...............
हो विद्या की तुम्हीं देवी,
तुम ही ज्ञान दाता हो।
तुम्हीं संगीत की जननी,
तुम्हीं त्रिकाल ज्ञाता हो।।
तुम्हारी ही कृपा से मां
तेरी महिमा मैं गाता हूँ।
नमन है मां..............(1)
है हाथों में स्फटिक माला,
वेद ग्रंथों को धारी हो।
विराजी श्वेत पंकज पर,
श्वेतांबर ही पधारी हो।।
करे नादान नित सुमिरन
तेरा आशीष पाता हूँ।
नमन है मां............(2)
नमन है मां वीणापाणि,
चरण में पुष्प चढ़ाता हूँ।।

तुषार शर्मा
'नादान' गरियाबंद-
छत्तीसगढ़

गणतंत्र दिवस पर विशेष

संवैधानिक मूल्यों पर ही टिका है देश का विकास

"भारत के गणतंत्र का, सारे जग में मान,
दशकों से खिल रही, उसकी अद्भुत शान,
सब धर्मो को देकर मान रचा गया इतिहास का,
इसलिए हर देशवासी को इसमें है विश्वास।"

गणतंत्र दिवस के आते ही स्मृतियों का सैलाब उमड़ आता है, हमारे स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास स्मृति के वातावरण से झाँकने लगता है। गणतंत्र दिवस हमारी प्राचीन संस्कृति का गरिमा का गौरव दिवस है। भारत आज लोकतंत्र की मशाल जलाते हुए दुनिया में आशा-उमंग, शांति के आकर्षण का केंद्र बिंदु बन गया है। आजादी को संजोए रखना इतना भी आसान नही होता इसके लिए अपनी नियम, नीति और योजनाएं बनाना और उनको क्रियान्वित करना बहुत ही जरुरी था। जिसके लिए भारत के संविधान की रचना करना और उस संविधान में नियम कानून और शर्तो को लागू करना बहुत आवश्यक था। इसके लिये एक समिति बनाई गई और उस समिति के द्वारा संविधान का निर्माण किया गया और 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू किया गया। गणतंत्र को लोकतंत्र, जनतंत्र व प्रजातंत्र भी कहते हैं, जिसका अर्थ है - प्रजा का राज्य या प्रजा का शासन। संविधान के बारे में संविधान निर्माता भीमराव अंबेडकर कहते है - "मुझे लगता है यह संविधान व्यवहारिक है, ये शांति और युद्ध दोनों के समय देश को बांधे रखने के लिए लचीला भी है और मजबूत भी। वास्तव में, मैं यह कह सकता हूँ कि यदि नए संविधान के अंतर्गत कुछ गलत होता है, तो उसका कारण ये नहीं होगा कि हमारा संविधान खराब है। हमें ये कहना होगा कि ये मनुष्य की नीचता थी।" स्पष्ट है कि भारत ने एक ऐसा संविधान का निर्माण किया था जिसपर हर भारतीय को गर्व होना चाहिए।

26 जनवरी 1950 को, हमारा देश भारत संप्रभु, धर्मनिरपेक्ष, समाजवादी, और लोकतांत्रिक, गणराज्य के रुप में घोषित हुआ । गणतंत्र दिवस मनाने का मुख्य कारण यह है कि इस दिन हमारे देश का संविधान प्रभाव में आया था।26 जनवरी 1950 के दिन 'भारत सरकार अधिनियम' को हटाकर भारत के नवनिर्मित संविधान को लागू किया गया। इसलिए उस दिन से 26 जनवरी के इस दिन को भारत में गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। यह भारत के तीन राष्ट्रीय पर्वों में से एक है । इस दिन पहली बार 26 जनवरी 1930 में पूर्ण स्वराज का कार्यक्रम मनाया गया। जिसमें अंग्रेजी हुकूमत से पूर्ण आजादी के प्राप्ति का प्रण लिया गया था।

सोचने योग्य

आज हमारा संविधान विभिन्न बीमारियों से ग्रसित हो गया है। भ्रष्टाचार , बलात्कार , प्रदूषण , जनसंख्या नियंत्रण जैसे अनेक समस्याओं ने भारत माँ को लहूलुहान कर दिया है। आज भी हमारा गणतंत्र कितनी ही कंटीली झाड़ियों में फँसा हुआ प्रतीत होता है। अनायास ही हमारा ध्यान गणतंत्र की स्थापना से लेकर 'क्या पाया, क्या खोया' के लेखेजोखे की तरफ खींचने लगता है। इस ऐतिहासिक अवसर को हमने मात्र आयोजनात्मक स्वरूप दिया है, अब इसे प्रयोजनात्मक स्वरूप दिये जाने की जरूरत है। इस दिन हर भारतीय को अपने देश में शांति, सौहार्द और विकास के लिये संकल्पित होना चाहिए। कर्तव्यपालन के प्रति सतत जागरूकता से ही हम अपने अधिकारों को निरापद रखने वाले गणतंत्र का पर्व सार्थक रूप में मना सकेंगे और तभी लोकतंत्र और संविधान को बचाए रखने का हमारा संकल्प साकार होगा।बी. आर. अम्बेडकर ने भी समस्याओ के समाधान हेतु कानून लाने के बारे में कहा था- 'क़ानून व व्यवस्था राजनीतिक शरीर की दवा है और जब राजनीतिक शरीर बीमार पड़ने लगे तो दवा जरुर देनी चाहिए।"

नृपेन्द्र अभिषेक नृप
छपरा बिहार

प्रेस क्लब में झण्डारोहण का आयोजन

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। 74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर पिंकसिटी प्रेस क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा ने क्लब प्रांगण में झण्डारोहण करते हुए सभी क्लब सदस्यों एवं पत्रकारों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान में हमारी सोशल सिक्यूरिटी आवश्यक है, इस संबंध में जल्द ही राज्य सरकार कार्यवाही करें। पत्रकार आवास योजना, पत्रकार सुरक्षा कानून, सहित पत्रकारों की लम्बित मांग का शीघ्र समाधान किया जाए। क्लब महासचिव रघुवीर जांगिड़ ने कहा कि प्रेस क्लब इतिहास में पहली बार विंटर फेस्टिवल का आयोजन किया गया। प्रेस क्लब एवं पत्रकारों के हितों के लिए वर्तमान प्रबन्ध कार्यकारिणी सदैव तत्पर है। इस अवसर पर क्लब कर्मचारियों को पारितोषित किया गया।

रचा गया इतिहास

पहली बार कर्तव्य पथ पर दुनिया ने देखी हिंदुस्तान की विराट ताक़त

एडवोकेट किशन भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारत ने 26 ज़नवरी 2023 को पहली बार कर्तव्य पथ पर परेड कर दुनिया को अपना दम ताकत और आत्मनिर्भर भारत की गाथा सहित 23 झांकियों का प्रदर्शन कर इतिहास रचा जिसे सारी दुनिया ने हैरत भरी नज़रों से देखा कि इतनी तेजी से भारत विकास के झंडे गाड़कर आगे बढ़ रहा है, इसकी प्रेरणा दुनिया के तमाम विकासशील देशों ने लेना चाहिए ताकि जिसका ज़ज्बा जांबाज़ी और हसरतें हो तो सफ़लताज़रूर सलामी ठोकती है,जिसका सापेक्ष उदाहरण आज भारत है।

74 वें गणतंत्र दिवस परेड 2023 में इस बार मिस्त्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल सिसी रहे और परेड में भी वहां की सैनिक टुकड़ी शामिल हुई।सबसे खूबसूरत रहा स्वदेशी हथियारों का डिस्प्ले। लाइट कंबैक्ट टेलेकॉस्टरार डेयर डेविल्स की टीम को महिला अफसर ने लीड किया। परंतु रेलवे मंत्रालय और पंजाब की झांकी नहीं दिखी, विशेषता यह थी कि कोरोना से पहले करीब सवा लाख लोग परेड में शामिल होते थे परंतु अभी करीब पैंतालीस हजार शामिल हुए क्योंकि कोरोना अभी गया नहीं है जिसे करीब12 हज़ार पासेस और 32 हज़ार टिकटें ऑनलाइन बिके थे जो,20, 100 और 500 प्रति टिकट शुल्क के थे। इस बार दर्शकों के बैठने की व्यवस्था के लिए अलग से इंतजाम किया गया था क्योंकि 26 जनवरी 2023 को पहली बार गणतंत्र दिवस कर्तव्य पथ पर दुनिया ने देखा, हिंदुस्तान की विराट ताकत, क्योंकि स्वदेशी सैन्य साधनों का शानदार प्रदर्शन था इतिहास रचा गया। इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे कि

'यह भारत देश है मेरा, जहां डाल-डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा यह भारत देश है मेरा'

साथियों बात अगर हम इतिहास रचने की करें तो,कर्तव्य पथ इस बार देश ने इतिहास बनते देखा, देश में पहली बार आदिवासी महिला राष्ट्रपति ने परेड की सलामी ली। उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और उसके बाद 21 तोपों की सलामी के साथ राष्ट्रगान

भारत ने पूरी दुनिया के सामने अपने शौर्य, सांस्कृतिक विरासत, सैन्य क्षमता और अपनी शानदार ताक़त और दम का प्रदर्शन किया

हुआ। राष्ट्रपति ने कर्तव्य पथ से राष्ट्र का नेतृत्व किया। इस बार गणतंत्र दिवस पर मिस्त्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी मुख्य अतिथि थे। इससे पहले पीएम ने वॉर मेमोरियल पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उनके साथ रक्षा मंत्री, सीडीएस, तीनों सेनाओं के सेना प्रमुख मौजूद रहे। इसके बाद पीएम कर्तव्य पथ पहुंचे, यहां उन्होंने राष्ट्रपति का स्वागत किया। इस मौके पर कर्तव्य पथ परेड निकाली गई, इस परेड में भारत का स्वदेशी सैन्य पराक्रम और नारी शक्ति की ताकत नजर आई। कर्तव्य पथ पर आकाश मिसाइल, अर्जुन टैंक जैसे घातक हथियारों ने सेना के शौर्य को दिखाया, आसमान में प्रचंड और राफेल समेत 50 विमानों की उड़ान ने सीमाओं से परे भारतीय वायु सेना की शक्ति प्रदर्शित की. ये दृश्य हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा करने वाला रहा। 90 मिनट की परेड में 23 झांकियां भी दिखीं. इनमें राज्यों की और मंत्रालयों विभागों की झांकियां शामिल रहीं। जहां यूपी की झांकी में अयोध्या की झलक दिखी, तो वहीं गृह मंत्रालय द्वारा नशा मुक्त भारत की झांकी और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की झांकी में 'नारी शक्ति' को दर्शाया गया।आखिर में भारतीय सेनाओं के 50 विमानों ने फ्लाई पास्ट किया।

साथियों बातअगरहम ऐतिहासिक वंदे भरतम कार्यक्रम की करें तो, संस्कृति मंत्रालय का सांस्कृतिक कार्यक्रम वंदे भारतम कार्यक्रम आज नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर राष्ट्रीय गणतंत्र दिवस समारोह में प्रमुख आकर्षणों में से एक रहा। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता से चुने गए 479 कलाकारों ने 'नारी शक्ति' विषय पर पूरे देश के सामने प्रदर्शन किया। भव्य परेड के दौरान, कलाकारों ने अपने जीवंत और ऊर्जावान प्रदर्शन के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और एक भारत, श्रेष्ठ भारत की सच्ची भावना में भारत की विविध सांस्कृतिक एवं कलात्मक विरासत को प्रदर्शित किया। गणतंत्र दिवस समारोह में आज कर्तव्य पथ पर संस्कृति मंत्रालय की 'शक्ति रूपेण संस्थिता' शीर्षक वाली रंगीन झांकी भी दिखाई गई। झांकी देवी के 'शक्ति' रूप पर आधारित है। इस झांकी के माध्यम से कई लोकनृत्यों को एक मंच पर उतारा गया।

भारत का संविधान पूरी दुनिया में सबसे लंबा लिखित संविधान है। मूल रूप से इसमें 395 लेख थे, जो 22 भागों और 8 अनुसूचियों में विभाजित थे। भारत के संविधान के अनुसार भारत एक संप्रभु समाजवादी धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य है, जो अपने नागरिकों को न्याय, समानता और स्वतंत्रता का आश्वासन देता है, और उनके बीच बंधुत्व को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। भारत देश बाबासाहब भीमराव आम्बेडकर का सदैव ऋणी रहेगा, जिन्होंने प्रारूप समिति की अध्यक्षता की और संविधान को अंतिम रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज के दिन हमें संविधान का प्रारंभिक मसौदा तैयार करने वाले विधिवेत्ता श्री बी.एन. राव तथा अन्य विशेषज्ञों और अधिकारियों को भी स्मरण करना चाहिए जिन्होंने संविधान निर्माण में सहायता की थी। हमें इस बात का गर्व है कि उस संविधान सभा के सदस्यों ने भारत के सभी क्षेत्रों और समुदायों का प्रतिनिधित्व किया। संविधान निर्माण में सभा की 15 महिला सदस्यों ने भी योगदान दिया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **सह-संपादक :** कुलदीप गुप्ता, जयपुर मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)